आषाढ़ शुक्ल पक्ष -14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 23 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल

28 जुलाई 2026 मंगलवार

आज का मौसम

25.6 अधिकतम

23.4 न्यूनतम

Page-7

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले- कोहिनूर हीरा हैं आशुतोष तिवारी

रोड शो तो बहाना, असली मकसद रूठे कुशवाहा समाज को मनाना

दतिया से राजेश सिरोठिया

दतिया उपचुनाव का प्रचार थमने से चौबीस घंटे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शहर में हुआ रोड शो महज़ शक्ति प्रदर्शन भर नहीं था। राजनीतिक हलकों में इसे भाजपा से नाराज़ माने जा रहे कुशवाहा समाज को साधने की अहम कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। दिलचस्प यह है कि यह जिम्मेदारी स्वयं डॉ. मोहन यादव ने संभाली, जिन पर विपक्ष साहिब सिंह यादव हत्याकांड के कथित साजिशकर्ता को सीआईडी जांच के नाम पर बचाने का आरोप लगाता रहा है।

मुख्यमंत्री ने रोड शो से पहले सिंधी समाज के सभागार में आयोजित कुशवाहा समाज के सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने समाज के लोगों को भरोसा दिलाया कि भाजपा हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है और उनका पार्टी से जुड़ाव बना रहना चाहिए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुशवाहा समाज का संबंध भगवान श्रीराम के पुत्र कुश के वंश से है। उन्होंने कांग्रेस पर सर्वोच्च न्यायालय में श्रीराम के अस्तित्व को लेकर दिए गए पुराने हलफनामे का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी पार्टी को कुशवाहा समाज से वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने कुशवाहा समाज को विभिन्न राज्यों में महत्वपूर्ण नेतृत्व दिया है। हरियाणा में नायब सिंह सैनी, बिहार में सम्राट चौधरी, उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य, राजस्थान में दीया कुमारी तथा मध्यप्रदेश में नारायण सिंह कुशवाह महत्वपूर्ण पदों पर हैं।

सम्मेलन में कुशवाहा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, ग्वालियर सांसद एवं भाजपा के चुनाव प्रभारी भारत सिंह कुशवाह, जिला भाजपा अध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाह सहित समाज के अनेक प्रमुख नेता मौजूद थे। नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद रघुवीर सिंह कुशवाह को नाराज़ नेताओं में माना जाता रहा है। मुख्यमंत्री ने समाज के प्रमुख नेताओं से व्यक्तिगत रूप से भी चर्चा की। सूत्रों की मानें तो भाजपा का आकलन है कि विधानसभा क्षेत्र के लगभग 30 हजार कुशवाहा मतदाता चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। पार्टी का यह प्रयास कितना सफल रहा, इसका जवाब अब तीन अगस्त को मतगणना के दिन ही मिलेगा।

सम्मेलन के बाद मुख्यमंत्री ने मां पीताम्बरा के दर्शन किए और फिर दतिया शहर में रोड शो निकाला। कार्यक्रम दोपहर बाद प्रस्तावित था, लेकिन उनके देर से पहुंचने के कारण समय में बदलाव हुआ। रोड शो शहर की संकरी गलियों से होता हुआ किले के सामने तक पहुंचा। रैली में भीड़ अपेक्षाकृत कम थी, लेकिन कार्यकर्ताओं का उत्साह भरपूर दिखाई दिया। लगभग एक घंटे चले इस रोड शो के बाद मुख्यमंत्री ग्वालियर रवाना हुए और वहां से विमान द्वारा भोपाल लौट गए। मुख्यमंत्री के साथ खुले वाहन में पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी भी मौजूद थे। बड़ी तिगलिया पर आयोजित नुक्कड़ सभा में मुख्यमंत्री ने आशुतोष तिवारी को 'कोहिनूर हीरा' बताते हुए उनके पक्ष में मतदान की अपील की।

सभा में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मध्यप्रदेश और दतिया में कांग्रेस का जनाधार लगातार सिमट रहा है। उन्होंने कहा कि दतिया को जल्द ही 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले डिफेंस पार्क और बड़े औद्योगिक निवेश का लाभ मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह कांग्रेस एक परिवार तक सीमित होती जा रही है, उसी तरह दतिया में भी वह एक राजपरिवार की पार्टी बनकर रह गई है। मुख्यमंत्री ने उपचुनाव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक को भ्रष्टाचार के मामले में न्यायालय से सजा मिलने के कारण उनकी सदस्यता समाप्त हुई और इसी वजह से उपचुनाव की नौबत आई। इसी दौरान कांग्रेस नेता राजू दांगी ने मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

कांग्रेस की गांव केंद्रित रणनीति

उधर कांग्रेस ने अपने प्रचार की रणनीति पूरी तरह ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित रखी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और जयवर्धन सिंह ने गांव-गांव जाकर जनसंपर्क और नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से माहौल बनाने की कोशिश की। स्थानीय नेता अवधेश नायक लगातार उनके साथ रहे और उन्हें उन इलाकों में ले गए, जहां कांग्रेस अपने लिए बेहतर संभावनाएं देख रही है। आज शाम चुनाव प्रचार थमने के बाद दोनों दल घर-घर संपर्क अभियान के जरिए अंतिम कोशिश करेंगे। 30 जुलाई को मतदान होगा और 3 अगस्त को ईवीएम खुलते ही यह साफ हो जाएगा कि दतिया की जनता की नजर में मुख्यमंत्री का 'कोहिनूर' कौन साबित हुआ और कौन कोयले का टुकड़ा। इसी दिन दतिया तय करेगा कि भाजपा की सामाजिक साधना रंग लाई या कांग्रेस की घर-घर खामोश दस्तक भारी पड़ी।

दोबारा आंदोलन की चेतावनी के बाद देर रात आया सीजेपी का वीडियो

प्रदर्शन करने वालों पर देश में कहीं भी दर्ज एफआईआर वापस होंगी

दावा.. दिल्ली पुलिस के अफसरों ने दिखाई बिहार सरकार की प्रेस रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के अलावा अन्य प्रदेशों में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस होंगी। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और रत्ना ने सोमवार रात एक बजे वीडियो जारी कर यह जानकारी दी। सौरव ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली पुलिस के अफसर उनसे मिलने आए थे। उन्हें इस आशंका से अवगत कराया गया कि सरकार ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं होंगे। इस पर पुलिस ने बिहार सरकार के गृह विभाग की प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें सभी प्रोटेस्टर्स की एफआईआर वापस ली जाएंगी।

सौरव दास ने कहा - हमारी आशंका थी कि प्रदर्शनकारियों को किसी राज्य में नुकसान पहुंचाया जा सकता है। अब सरकार ने गारंटी दी है कि ऐसा न हो, इसलिए इसका एक नोटिफिकेशन निकाला जाएगा। भविष्य में भी उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा। इससे पहले सीजेपी ने सोमवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गई तो नए प्रदर्शन होंगे। संगठन ने देशभर में लीगल सेल और 'साक्षी' पोर्टल बनाया है, ताकि प्रभावित छात्रों व प्रदर्शनकारियों की मदद की जा सके। प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा- सरकार समझौते का उल्लंघन कर रही है। अगर लिखित समझौता नहीं मिला तो आंदोलन दोबारा शुरू करना पड़ेगा। पार्टी का कहना है कि उसने देशव्यापी आंदोलन केंद्र सरकार के इस आश्वासन पर खत्म किया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर कोई एक्शन नहीं होगा। हालांकि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सरकार की तरफ से आधिकारिक रूप से कोई बयान जारी नहीं किया गया था।

छात्रों का प्रदर्शन शांतिपूर्ण था: सुप्रीम कोर्ट

संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई जारी है। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और वे संवैधानिक दायरे में अपनी मांग उठा रहे थे। अदालत ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। चीफ जस्टिस ने कहा कि याचिकाओं में पेलेट गन, इलेक्ट्रिक बैटन, लाठीचार्ज, आंसू गैस, महिलाओं और पत्रकारों के साथ मारपीट जैसे गंभीर आरोप हैं। इनकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होगी। उन्होंने कहा- अगर जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तो जांच का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। लोकतंत्र में आंदोलन होते रहेंगे।

पुलिस एक्शन का जवाब मांग रहा विपक्ष, संसद स्थगित

पेपर लीक कानून संशोधन बिल पर आज संसद में चर्चा होने की पूरी सम्भावना जताई जा रही थी लेकिन कार्रवाई शुरू होने के बाद लोकसभा में स्पीकर ओम की समझाइश के बावजूद विपक्ष का हंगामा नहीं थमा। विपक्ष का कहना है कि वह पेपर लीक रोकने वाले कानून का विरोध नहीं कर रहा, लेकिन चर्चा से पहले सरकार को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का जवाब देना होगा। इसी वजह लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। स्पीकर ने कहा कि पेपर लीक से जुड़े संशोधन बिल पर चर्चा के लिए दोपहर 2 बजे का समय तय किया गया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने पेपर लीक कानून संशोधन बिल पर चर्चा के लिए 6 घंटे का समय तय किया है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। लोकसभा में यह बिल सोमवार को पेश किया गया था। इस बिल के जरिए 2024 में बने कानून में बदलाव किए जाएंगे। आरोपियों के खिलाफ दस साल की सजा और दस करोड़ रूपए जुर्माने का प्रावधान होगा। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बना सकेंगे। इन अदालतों में रोजाना सुनवाई होगी। इससे पहले सुबह 9:30 बजे संसद भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में आज एनडीए संसदीय दल की वीकली 'मंगल मिलन' बैठक हुई।

न्यूज विंडो

हिमाचल: खाई में कार गिरने से एक ही परिवार के 5 की गई जान

डलहौजी। चंबा जिले में देर रात पठानकोट-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाहाड़ गांव के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में एक वर्षीय मासूम सहित पांच लोगों की मौत हो गई। चंडीगढ़ से बच्चे का उपचार करवाकर घर लौट रहा परिवार रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गया। कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। लगातार हो रही भारी बारिश तथा बनीखेत के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित होने के कारण राहत एवं बचाव दल को मौके तक पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ी।

ठाणे में बिल्डिंग का स्लैब गिरने से 13 साल की बच्ची की मौत

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे में एक दर्दनाक हादसे में 13 साल की बच्ची की मौत हो गई। यहां मुंब्रा इलाके में एक बिल्डिंग की गैलरी का स्लैब गिरने से मलबे में छह लोग दब गए। हादसे के बाद मौके पर चींख-पुकार मच गई। आनन-फानन में मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें अस्पताल भेजा गया। वहीं हादसे के बाद पूरी बिल्डिंग को खाली करा लिया गया है। यह इमारत 38 साल पुरानी बताई जा रही है। फिलहाल प्रशासन इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रहा है।

आज का कार्टून

प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता

पाक सेना की फायरिंग में 19 की मौत

इस्लामाबाद। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की। इस गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। इसके अलावा लगभग दो दर्जन से अधिक लोग फायरिंग की इस घटना में घायल हो गए। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में कहा गया, 'आज, पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने हमारे निर्दोष युवाओं पर गोलीबारी की। नतीजतन, हमारे 19 युवा शहीद हो गए हैं। उनमें आंदोलन के संस्थापक उमर नजीर कश्मीरी के छोटे भाई उस्मान नज़ीर भी शामिल हैं।

पीएम का हटाया था वीडियो

मेटा ने माफी मांगी, ग्लोबल हेड तलब

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था। इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। इधर, न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने Meta के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है।

केंद्र सरकार ने रखा नए नियम का प्रस्ताव

छह महीने वाहन का आरसी ट्रांसफर नहीं कराया तो बदल जाएगा मालिकाना हक!

नई दिल्ली। वाहन पंजीकरण को लेकर सरकार ने एक नए नियम का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई खरीदार वाहन खरीदने के 6 महीने के भीतर औपचारिक रूप से मालिकाना हक का ट्रांसफर पूरा नहीं करता है, तो उस वाहन का मालिकाना हक खुद-ब-खुद (स्वचालित रूप से) डीलर के नाम पर ट्रांसफर हो जाएगा।

यह कदम भारत के वाहन बाजार में अक्सर देखी जाने वाली उस लापरवाही को खत्म करने के लिए उठाया गया है। जहां खरीदारी के बाद लंबे समय तक रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट ट्रांसफर नहीं कराई जाती है और आरटीओ रिकॉर्ड में कानूनी देनदारियों का बोझ पुराने मालिक या डीलर पर ही बना रहता है। प्रस्ताव के तहत सरकार ने स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया को और सख्त बनाते हुए कुछ अनिवार्य शर्तें जोड़ी हैं। वैध रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, वैध बीमा या प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र के बिना आने वाले वाहन अब मालिकाना हक ट्रांसफर के पात्र नहीं होंगे। ट्रैफिक चालान पेंडिंग है या टैक्स बकाया है तो ट्रांसफर पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि ये सभी बकाए पूरी तरह चुकता न कर दिए जाएं। यह प्रस्ताव व्यक्तिगत खरीदारों और सेकेंड-हैंड वाहन डीलरों, दोनों के इकोसिस्टम पर सीधा असर डालेगा।

यह बदलाव अभी एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के जरिए पेश किया गया है। सरकार ने नोटिफिकेशन जारी होने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर डीलरों, उद्योग निकायों और आम जनता सहित सभी हितधारकों से सुझाव और प्रतिक्रियाएं मांगी हैं।

चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड

चंबा में मलबे का सैलाब घरों में घुसा, केदारनाथ यात्रा रुकी

चंबा/भोपाल। देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया। 10 से ज्यादा गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

उत्तराखंड में सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुआ। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। उधर, मध्य प्रदेश के 8 जिलों में आज से अगले तीन दिन तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर डूबने की घटनाओं में तीन युवकों की जान चली गई।

असम। बाढ़ के कारण लोगों ने लिया नाव का सहारा।

अमरनाथ यात्रा: बस खाई में गिरी, एमपी के 30 घायल

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के गुंड इलाके में आज हरिगनीवान के एस-मोड के पास अमरनाथ यात्रा से लौट रही 40 तीर्थयात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क से फिसलते हुए गहरी खाई में जा गिरी गई।दुर्घटना 30 तीर्थयात्री घायल हुए। सभी घायलों को तत्काल कंगन अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि दो यात्रियों के सिर में चोट आई है, लेकिन उनकी हालत फिलहाल स्थिर है।

मेट्रो एंकर

अंतरिक्ष और खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए आज और कल की रात होगी खास

आज से आसमान में बिखरेगी दूधिया रोशनी, कल दिखाई देगा 'बक मून'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अंतरिक्ष और खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए आज और कल की रात बेहद खास होने जा रही है। आज यानी 28 जुलाई की रात से ही आसमान में चंद्रमा अपनी अद्भुत दूधिया रोशनी बिखेरता नजर आएगा। वहीं, कल 29 जुलाई 2026 को इस साल का सबसे खूबसूरत पूर्ण चंद्रोदय (Full Moon) दिखाई देगा, जिसे दुनिया भर में 'बक मून' (Buck Moon) के नाम से जाना जाता है। भोपाल के आसमान में आज रात चंद्रोदय शाम 06:45 बजे होगा, जबकि मुख्य पूर्णिमा के दिन यानी कल शाम को चंद्रोदय 07:38 बजे होगा। इसके ठीक बाद रात 08:05 बजे चांद अंतरिक्ष विज्ञान के अनुसार अपने सबसे पूर्ण आकार (100% चमकीला) में पहुंच जाएगा।

हालांकि, आज रात भी यह 98 प्रतिशत से अधिक चमकीला रहेगा, जिससे आम लोग बिना किसी उपकरण के भी इस भव्य नजारे का आनंद ले सकेंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार, चंद्रमा अपनी कक्षा में पृथ्वी के काफी करीब होगा, जिसके कारण इसका आकार सामान्य दिनों की तुलना में थोड़ा बड़ा और इसकी चमक कहीं अधिक तीक्ष्ण दिखाई देगी। खगोलशास्त्रियों के अनुसार इस नजारे को देखने के लिए किसी विशेष चश्मे या टेलिस्कोप की आवश्यकता नहीं है। सूर्यास्त के ठीक बाद पूर्वी क्षितिज की ओर देखकर इस खगोलीय घटना को आसानी से देखा जा सकता है।

उल्कापिंडों की बारिश बढ़ाएगी रौनक

इस बार 'बक मून' के साथ-साथ अंतरिक्ष प्रेमियों को दोहरा रोमांच देखने को मिलेगा। जुलाई के इस अंतिम सप्ताह में 'डेल्टा एक्वारिड' (Delta Aquariids) और 'अल्फा कैप्रिकॉर्निड' (Alpha Capricornids) उल्कापिंडों की बारिश (Meteor Shower) भी अपने चरम पर है। चंद्रमा की तेज दूधिया रोशनी के कारण छोटे टूटते तारे शायद साफ न दिखें, लेकिन मध्यरात्रि के बाद आसमान के काले हिस्सों में कुछ बेहद चमकीले उल्कापिंड (Fireballs) सीधे तैरते हुए देखे जा सकेंगे। खगोलविदों के अनुसार, ऐसा दुर्लभ संयोग सालों में एक बार बनता है जब पूर्ण चांद और म्यूटियर शॉवर एक साथ सक्रिय हों।

जुलाई की इस पूर्णिमा को 'बक मून' कहे जाने के पीछे एक ऐतिहासिक और पारंपरिक कारण है। अमेरिका के पारंपरिक किसानों के कैलेंडर 'द ओल्ड फार्मर्स अल्मनाक' के मुताबिक, इस महीने में नर हिरणों (Bucks) के सिर पर नए और मखमली सींग पूरी तरह से विकसित हो जाते हैं। इसी के आधार पर सदियों पहले इसका नामकरण किया गया था। इसके अतिरिक्त, जुलाई के महीने में अक्सर आने वाले तेज तूफानों और बिजली कड़कने की घटनाओं के कारण कई संस्कृतियों में इसे 'थंडर मून' भी कहा जाता है। भारत में इस खगोलीय घटना का धार्मिक महत्व भी है, क्योंकि इस समय देश भर में आषाढ़ पूर्णिमा और गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व मनाया जा रहा है।स्थानीय मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि भोपाल में आज और कल बादल छाए रहने व हल्की आंधी-बारिश की संभावना है। इस वजह से शाम को ठीक चंद्रोदय के समय चांद बादलों के पीछे छिप सकता है।

राजधानी के यात्रियों के लिए बड़ा तोहफा: निशातपुरा को मिली दो एक्सप्रेस ट्रेन

» निशातपुरा बना भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन, सीएम आज करेंगे लोकार्पण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल से सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए आज से बड़ा बदलाव होने जा रहा है। आज से मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस अब भोपाल रेलवे स्टेशन की बजाय निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर रुकेंगी।

करीब तीन साल पहले बनकर तैयार हुए निशातपुरा स्टेशन का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम 4:30 बजे लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही यह भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन बन जाएगा और यहां से नियमित यात्री सेवाएं शुरू हो जाएंगी।जून 2023 में बनकर तैयार हुए निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद करीब तीन वर्षों तक यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू नहीं हो सका था। अब स्टेशन को यात्रियों के लिए खोला जा रहा है।भोपाल रेल मंडल के अनुसार प्रारंभिक चरण में मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस का नियमित ठहराव निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर रहेगा। इसके बाद इन दोनों ट्रेनों का स्टॉपेज भोपाल रेलवे स्टेशन पर समाप्त कर दिया जाएगा।

बुकिंग हुई, लेकिन नहीं मिला गैस सिलेंडर!

भोपाल में ई-केवाईसी को लेकर बढ़ा विवाद, 1.35 लाख उपभोक्ता प्रभावित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में ई-केवाईसी नहीं कराने वाले करीब 1.35 लाख गैस उपभोक्ताओं को सिलेंडर डिलीवरी में परेशानी हो रही

राजधानी भोपाल में घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी नई परेशानी बन गई है। कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस सिलेंडर बुक होने के बावजूद डिलीवरी नहीं मिल रही है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि कंपनियों के मौखिक निर्देश के आधार पर ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं की बुकिंग रद्द कर गैस आपूर्ति रोकी जा रही है।

गैस कंपनियों का दावा है कि उन्होंने केवल ई-केवाईसी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं, डिलीवरी रोकने का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। इस स्थिति से उपभोक्ताओं और गैस एजेंसियों के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। गैस डीलर्स के मुताबिक भोपाल में एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल के लगभग 9 लाख घरेलू गैस उपभोक्ता हैं। इनमें करीब 15 प्रतिशत यानी लगभग 1.35 लाख उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अब भी लंबित है। एजेंसियों का कहना है कि ऐसे उपभोक्ताओं को फिलहाल गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जा रही है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कंपनियों और एजेंसियों के दावों में विरोधाभास

गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि उन्हें मौखिक रूप से निर्देश दिए गए हैं कि जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी पूरी नहीं हुई है, उनकी बुकिंग रद्द कर दी जाए। दूसरी ओर, गैस कंपनियों का कहना है कि उन्होंने केवल ई-केवाईसी अभियान तेज करने और सभी उपभोक्ताओं का सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है। डिलीवरी रोकने संबंधी कोई लिखित या आधिकारिक निर्देश जारी नहीं किए गए हैं।

ई-केवाईसी क्यों जरूरी है और कैसे कराएं

गैस कंपनियों के अनुसार ई-केवाईसी का उद्देश्य उपभोक्ताओं की पहचान सत्यापित करना, फर्जी या डुप्लीकेट गैस कनेक्शन रोकना और रिकॉर्ड अपडेट रखना है। उपभोक्ता अपनी संबंधित गैस एजेंसी पर आधार कार्ड और मोबाइल नंबर के सत्यापन के साथ ई-केवाईसी करा सकते हैं। कई कंपनियां अपने मोबाइल ऐप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी यह सुविधा उपलब्ध करा रही हैं।

लिखित आदेश नहीं, फिर भी बढ़ा विवाद

गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि बुकिंग रद्द करने या गैस डिलीवरी रोकने संबंधी उन्हें कोई लिखित आदेश नहीं मिला है। उनका आरोप है कि मौखिक निर्देशों के कारण 15 से 20 प्रतिशत उपभोक्ता प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को समय रहते ई-केवाईसी कराने की सलाह दी।

भोपाल में बर्थडे पर 12वीं की छात्रा ने लगाई फांसी

फ्रेंड्स केक लेकर पहुंचीं तो फंदे पर लटकी मिली; हॉस्टल में रहकर कर रही थी पढ़ाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स स्थित आदिवासी कन्या छात्रावास में रहकर 12वीं की पढ़ाई और JEE की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार को उसका 17वां जन्मदिन था।

सहेलियां केक लेकर बर्थडे मनाने पहुंचीं तो काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। सेंट्रल लॉक खुलने पर छात्रा कमरे में फंदे पर लटकी मिली। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताते हुए माता-पिता से माफी मांगी है। मृतका की पहचान अलीराजपुर निवासी दर्शन मिनामा पिता रमेश मिनामा के रूप में हुई है। वह अनंत हायर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा थी और एसेंट करियर प्वाइंट से JEE की तैयारी कर रही थी। पुलिस के अनुसार दर्शन सितंबर 2025 से छात्रावास में रह रही थी। रविवार शाम करीब 5:30 बजे वह कोचिंग से लौटकर अपने कमरे में गई थी। उसकी रूममेट मनीषा नरगावा पिछले 20 दिनों से अपने गांव छुट्टी पर गई थी, जिसके कारण वह कमरे में अकेली थी। शाम करीब 6 बजे छात्रावास की अन्य छात्राएं उसका जन्मदिन मनाने के लिए कमरे पर पहुंचीं,

लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। लगातार चार-पांच मिनट तक दरवाजा खटखटाने के बाद सेंट्रल लॉक खुल गया। अंदर जाकर देखा तो छात्रा रस्सी के फंदे से लटकी हुई थी। छात्रावास की वार्डन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

कमरे से मिला सुसाइड नोट

घटना की सूचना पर पुलिस, एफएसएल टीम और फोटोग्राफर मौके पर पहुंचे। कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। सुसाइड नोट में छात्रा ने आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है तथा माता-पिता से माफी मांगी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने छात्रा के डिप्रेशन में होने की बात कही है, हालांकि आत्महत्या के कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

10 माह पहले भी इसी छात्रावास में छात्रा ने की थी आत्महत्या

कटारा हिल्स स्थित मध्य प्रदेश जनजातीय कार्य विभाग के इसी शासकीय छात्रावास में करीब 10 महीने पहले भी एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी। मृतका वंदना मरकाम (17), बालाघाट की निवासी थी। वह 12वीं कक्षा की छात्रा थी और एमपी नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था, जिससे आत्महत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका था। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि वंदना दीपावली के बाद 26 अक्टूबर 2025 को अपने गृह जिले से छात्रावास लौटी थी। छात्रावास की वार्डन के अनुसार उसने पेट में संक्रमण का हवाला देकर उस दिन कोचिंग से छुट्टी ली थी। बाद में उसकी रूम पार्टनर और अन्य छात्राओं ने कमरे में उसका शव देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इस घटना के लगभग 10 महीने बाद उसी छात्रावास में एक और छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने से छात्राओं की मानसिक स्वास्थ्य सहायता को लेकर फिर सवाल खड़े हो गए।

भोपाल में ब्रिक्स देशों का संस्कृति सम्मेलन 5 अगस्त से 4 दिन तक चलेगा; संस्कृति मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में 5 से 8 अगस्त तक अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन होगा। इसमें ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधि शामिल होंगे। ब्रिक्स देशों के कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देंगे।

कमिश्नर कर्मवीर शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में सम्मेलन की तैयारियां की समीक्षा की। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की संचालक प्रियंका चंद्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ी। वहीं, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू कुमार, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी मौजूद रहे।

कमिश्नर शर्मा ने निर्देश दिए कि सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं भारत की संस्कृति, गौरव एवं परम्परा के अनुरूप उत्कृष्ट हों। उन्होंने माइक्रो प्लानिंग पर जोर देते हुए केंद्र एवं राज्य शासन के सभी अधिकारियों को पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में 5 अगस्त को ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी। शाम को सदस्य इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। 6 अगस्त को पुनः ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी। शाम को रविंद्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल में ब्रिक्स देशों के कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। 7 अगस्त को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों का आगमन होगा और उसके पश्चात वे भोपाल में ट्राइबल म्यूजिनियम, वन विहार एवं राज्य संग्रहालय का भ्रमण करेंगे।

नगर निगम की अनदेखी: कई शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार मौन

मुख्यमंत्री संजीवनी केंद्र के सामने लगा कचरे का अंबार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के आरिफ नगर रोड स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी केंद्र के ठीक सामने कचरे के ढेर लगे हुए हैं। अस्पताल के सामने फैली गंदगी न केवल क्षेत्र की सुंदरता बिगाड़ रही है, बल्कि यहां आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और स्थानीय रहवासियों के स्वास्थ्य पर भी खतरा पैदा कर रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई दिनों से कचरा समय पर नहीं उठाया जा रहा है। बारिश के मौसम में कचरे से उठने वाली दुर्गंध और गंदगी के कारण संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। आवारा पशु और कुत्ते भी कचरे में

भोजन तलाशते नजर आते हैं, जिससे सड़क पर आने-जाने वालों को परेशानी होती है। रहवासियों का आरोप है कि कई बार नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। अस्पताल के सामने इस तरह की स्थिति प्रशासन की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

स्थानीय लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में तत्काल कचरा हटाया जाए, नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पर्याप्त कचरा पात्र लगाए जाएं, ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

मेट्रो एंकर

गोविंदपुरा अस्पताल के खराब प्रदर्शन पर कार्रवाई

44 डिलीवरी, 4% बेड ऑक्यूपेंसी... अधीक्षक की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के सिविल अस्पताल गोविंदपुरा में अपेक्षा से कम डिलीवरी होने और अस्पताल अधीक्षक के जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक की वेतन वृद्धि रोकने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

गत दिवस आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी ने गोविंदपुरा अस्पताल में कम डिलीवरी और पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में कम बच्चों के भर्ती होने का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि अस्पताल में पर्याप्त स्टाफ और संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन अपेक्षित स्तर की सेवाएं नहीं दी जा रही हैं। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि गोविंदपुरा सीएससी में अब तक केवल 44 डिलीवरी हुई हैं, जबकि यहां करीब 100 डिलीवरी हो जानी चाहिए थीं। वहीं जिले के पांच पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में सबसे खराब स्थिति भी गोविंदपुरा अस्पताल की रही। 10 बेड होने के बावजूद यहां बेड ऑक्यूपेंसी केवल 4 प्रतिशत दर्ज की गई। पूरे वर्ष में सिर्फ 10 गंभीर कुपोषित बच्चों को भर्ती किया गया, जिनमें से केवल 50 प्रतिशत बच्चे पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे, जबकि बाकी 50 प्रतिशत बच्चों ने इलाज बीच में ही छोड़ दिया।

जेपी अस्पताल का प्रदर्शन बना उदाहरण

बैठक में बताया गया कि इसके विपरीत जेपी अस्पताल में एनआरसी की बेड ऑक्यूपेंसी 124 प्रतिशत और रिकवरी दर 96.2 प्रतिशत रही। इसी अंतर को देखते हुए जिला स्वास्थ्य समिति ने गोविंदपुरा अस्पताल के प्रदर्शन पर सवाल उठाए और अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

डेंगू-मलेरिया और टीबी पर भी दिए निर्देश

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं जिले की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और कमजोर प्रदर्शन पर जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही डेंगू और मलेरिया के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में लार्वा सर्वे एवं जागरूकता अभियान चलाने, टीबी मरीजों के लिए फूड बास्केट में सामाजिक सहयोग बढ़ाने तथा निर्माण स्थलों पर कार्यरत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को संयुक्त रूप से काम करने के निर्देश भी दिए।

मेडिकल वेस्ट खुले में फेंका तो भरना होगा 4.05 लाख तक जुर्माना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में मेडिकल वेस्ट के गलत निस्तारण पर अब नगर निगम सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। खुले में बायो मेडिकल वेस्ट फेंकने या उसे सामान्य कचरे में मिलाने वाले अस्पतालों, क्लीनिकों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों पर स्पॉट फाइन लगाया जाएगा। नए बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत ऐसे मामलों में प्रति टन 4.05 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। इससे पहले इस तरह के मामलों में अधिकतम 20 हजार रुपये तक की कार्रवाई का प्रावधान था। नगर निगम को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से खुले में मेडिकल वेस्ट मिलने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

1.89 लाख किसान 1513 क्लस्टरों से जुड़े

भोपाल। जैविक खेती के क्षेत्र में मप्र ने देश में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। प्रदेश देश में हो रही जैविक खेती में 27 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी के साथ पहले स्थान पर है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत प्रदेश में 1513 क्लस्टर बनाए गए हैं, जिनसे करीब 1 लाख 89 हजार किसानों को जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए देशी गोपालन करने वाले किसानों को 900 रुपये प्रतिमाह अनुदान देने का भी प्रावधान किया गया है। प्रदेश में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव के तहत खरगोन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों से ऑनलाइन संवाद किया और प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने वाले किसानों के अनुभव जाने। किसानों ने कहा कि राज्य सरकार की कृषि विकास योजनाओं से खेती को नई दिशा मिली है। किसानों का मानना है कि आधुनिक तकनीक के साथ खेती का विकास भी जरूरी है।

जैविक खेती में मध्यप्रदेश देश में नंबर वन

टॉपर स्कूटी योजना के नियमों में बदलाव, अब 70% अंक लाना अनिवार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए संचालित मुफ्त स्कूटी योजना में बड़ा बदलाव किया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने योजना की पात्रता से जुड़े नियमों में संशोधन करते हुए अब न्यूनतम अंकों की सीमा बढ़ा दी है। नए नियमों के अनुसार, 12वीं बोर्ड परीक्षा में अपने स्कूल में टॉप करने वाले उन्हीं छात्र-छात्राओं को स्कूटी का लाभ मिलेगा, जिन्होंने कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य योजना का लाभ अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तक पहुंचाना बताया जा रहा है। पहले इस योजना का लाभ उन विद्यार्थियों को भी मिल जाता था, जिन्होंने अपने सरकारी स्कूल में सर्वोच्च अंक हासिल किए हों और उनके बोर्ड परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंक हों। लेकिन संशोधित नियम लागू होने के बाद अब यह सीमा 70 प्रतिशत कर दी गई है।

मूंग खरीदी और खाद संकट पर आर-पार की लड़ाई

बैरिकेड तोड़ते बढ़े किसान, अब भोपाल में मुख्यमंत्री निवास घेरने का ऐलान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी, खाद वितरण व्यवस्था में सुधार और किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का आंदोलन अब निर्णायक दौर में पहुंच गया है। किसान क्रांति पैदल यात्रा के दूसरे दिन आज बरखेड़ा से आगे बढ़ते हुए भोपाल की ओर कूच करेगी। आंदोलनकारी किसानों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे। किसानों ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास (सीएम हाउस) का घेराव करने की चेतावनी भी दी है।

सोमवार को यात्रा की शुरुआत से ही प्रशासन और किसानों के बीच तनातनी का माहौल बना रहा। प्रशासन ने नर्मदापुरम जिले की सीमा से लेकर कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर किसानों को रोकने की कोशिश की, लेकिन आंदोलनकारी पीछे नहीं हटे। नर्मदा ब्रिज से पहले लगाए गए बैरिकेड किसानों ने हटाकर आगे बढ़ना शुरू कर दिया। इसके बाद बुधनी क्षेत्र में भी किसानों ने एक के बाद एक पांच बैरिकेड पार करते हुए गड़रिया नाला पार किया और औबेदुल्लागंज-बैतूल फोरलेन के रास्ते बरखेड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने रात बिताई।

सोमवार सुबह करीब नौ बजे से लेकर शाम साढ़े सात बजे तक किसान और पुलिस आमने-सामने रहे। प्रशासन ने गांव से नर्मदापुरम शहर में प्रवेश रोकने का प्रयास किया। इसके बाद सेठानी घाट, इंदिरा चौक, भोपाल चौराहा और डोंगरवाड़ा सहित कई स्थानों पर भी पुलिस बल तैनात कर किसानों की यात्रा रोकने की कोशिश की गई।

बुजुर्ग किसानों का जोश बना आंदोलन की ताकत

इस पैदल यात्रा में बड़ी संख्या में युवा किसानों के साथ 70 वर्ष तक के बुजुर्ग किसान भी शामिल हैं। तेज धूप, लंबी पैदल दूरी और लगातार पुलिस की रोक-टोक के बावजूद किसानों का उत्साह कम नहीं हुआ। दिनभर की मशक्कत और संघर्ष के बाद सभी किसान बरखेड़ा पहुंचे, जहां रात्रि विश्राम किया गया। मंगलवार सुबह फिर यात्रा शुरू कर भोपाल की ओर बढ़ने की तैयारी की गई। किसानों का कहना है कि यह आंदोलन केवल मूंग खरीदी का नहीं, बल्कि प्रदेश के हर किसान के सम्मान और अधिकार की लड़ाई है। क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह सोलंकी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिन यात्रा के दौरान औबेदुल्लागंज स्थित गुरुद्वारे में रुकने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन नर्मदापुरम में प्रशासनिक रोक-टोक के कारण यात्रा देर से पहुंची।

सरकार से दो-टूक, मांगें पूरी होने तक नहीं रुकेगा आंदोलन

संयुक्त किसान मोर्चा ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी प्रमुख मांगों में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी, किसानों को समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराना और कृषि संबंधी अन्य समस्याओं का समाधान शामिल है। किसानों का कहना है कि यदि सरकार जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास का शांतिपूर्ण लेकिन व्यापक घेराव किया जाएगा और तब तक संघर्ष जारी रहेगा, जब तक किसानों की मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती।

प्रशासन अलर्ट, आंदोलन पर पूरे प्रदेश की नजर | किसान यात्रा को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। यात्रा मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर किसान संगठनों ने भी साफ संदेश दिया है कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन अपने अधिकारों के लिए वे किसी भी दबाव के आगे झुकने वाले नहीं हैं।

मध्य प्रदेश को जल्द मिलेगा नया पुलिस प्रमुख

11 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल तैयार, डीजीपी के लिए दौड़ तेज

मकवाना के कार्यकाल से पहले उत्तराधिकारी चुनने की प्रक्रिया शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस के शीर्ष पद पर जल्द ही नया चेहरा देखने को मिल सकता है। वर्तमान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना का कार्यकाल नवंबर 2026 में पूरा होने वाला है। इससे पहले ही नए डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने 11 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल तैयार कर गृह विभाग को भेज दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंजूरी के बाद यह पैनल संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेजा जाएगा।

तीन नामों का चयन करेगा यूपीएससी

नियमों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा भेजे गए पैनल की समीक्षा करने के बाद संघ लोक सेवा आयोग तीन वरिष्ठ अधिकारियों के नामों का चयन करेगा। यह सूची राज्य सरकार को वापस भेजी जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री इन तीन अधिकारियों में से किसी एक को मध्य प्रदेश का नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त करेंगे। इसी प्रक्रिया के तहत प्रदेश के नए पुलिस प्रमुख का चयन होगा।

अनुभवी अधिकारियों को मिली जगह

पुलिस मुख्यालय की ओर से तैयार किए गए पैनल में 1991, 1992, 1993 और 1994 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। सभी अधिकारी लंबे प्रशासनिक और पुलिस अनुभव के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। माना जा रहा है कि सरकार अनुभव और प्रशासनिक क्षमता को प्राथमिकता देते हुए अंतिम फैसला करेगी। नए पुलिस महानिदेशक की दौड़ में जिन अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं, उनमें प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, वरुण कपूर, उपेंद्र जैन, पंकज श्रीवास्तव, आदर्श कटियार, अनिल कुमार, रवि गुप्ता, अनंत कुमार सिंह, मनजीत सिंह नारंग, राजाबाबू सिंह और डी.पी. गुप्ता शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों का नाम अब अंतिम चयन प्रक्रिया के लिए भेजे जाने वाले पैनल में रखा गया है।

नवंबर में पूरा होगा मौजूदा डीजीपी का कार्यकाल

वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाना का कार्यकाल नवंबर 2026 में समाप्त हो रहा है। ऐसे में समय रहते उत्तराधिकारी चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि शीर्ष पुलिस पद पर किसी तरह का प्रशासनिक खालीपन न रहे। नए डीजीपी के सामने कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशे के खिलाफ अभियान और पुलिस आधुनिकीकरण जैसे कई अहम मुद्दों पर काम करने की चुनौती होगी।

अब मुख्यमंत्री के फैसले पर टिकी नजर

पुलिस मुख्यालय से पैनल भेजे जाने के बाद अब सभी की निगाहें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंजूरी पर टिकी हैं। इसके बाद मामला यूपीएससी के पास जाएगा और वहां से तीन नामों का पैनल लौटने के बाद प्रदेश को नया पुलिस प्रमुख मिल जाएगा। माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में यह पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और मध्य प्रदेश पुलिस को नया नेतृत्व मिल जाएगा।

गांव की बेटी योजना के लिए बढ़ी आवेदन की तारीख

छात्राओं के लिए बड़ी खुशखबरी!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 के अंतर्गत संचालित गांव की बेटी एवं प्रतिभा किरण योजना के तहत छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाली छात्राओं को बड़ी राहत देते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किया कि अब पात्र छात्राएं 1 अगस्त तक स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 के माध्यम से नवीन और नवीनीकरण दोनों प्रकार के आवेदन कर सकेंगी।

छात्राओं को राहत देने के लिए लिया गया फैसला- इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई निर्धारित थी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि कई छात्राएं निर्धारित समय में आवेदन नहीं कर सकी हैं, जिसे देखते हुए समय-सीमा में विस्तार का निर्णय लिया गया है। इससे अधिक से अधिक पात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सकेगा।

अधिकारियों को निर्देश और छात्राओं से अपील

विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्राप्त आवेदनों का समय पर सत्यापन किया जाए और छात्रवृत्ति राशि के भुगतान की प्रक्रिया भी निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाए। विभाग ने छात्राओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना आवश्यक दस्तावेजों के साथ जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि किसी भी तकनीकी समस्या के कारण वे योजना के लाभ से वंचित न रहें। बता दें कि इस छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्राओं को 5,000 सालाना राशि दी जाती है।

राज्य सरकार की मांग पर केंद्र सरकार ने दिया अपना जवाब

मूंग खरीद का 87% कोटा, अब तक सिर्फ 2% खरीदी, केंद्र बोला- पहले मंजूर मात्रा पूरी करें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मूंग की खरीद सीमा को लेकर केंद्र और राज्य सरकार आमने-सामने आ गई है। प्रदेश की मंग खरीद की सीमा बढ़ाने को लेकर राज्य सरकार की मांग पर केंद्र सरकार ने अपना जवाब दिया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक, ग्रीष्मकालीन सीजन 2025-26 में देशभर में मूंग खरीद के लिए मंजूर कुल 5.23 लाख मीट्रिक टन मात्रा में से अकेले मध्य प्रदेश को 4.54 लाख मीट्रिक टन से अधिक की मंजूरी दी गई है। यानी राष्ट्रीय स्तर पर मंजूर मात्रा का करीब 87 फीसदी हिस्सा मध्य प्रदेश के खाते में आया है। केंद्र ने इसे अब तक प्रदेश को मिली सबसे बड़ी मूंग खरीद मंजूरी बताया है। साथ ही राज्य सरकार से कहा है कि पहले से मंजूर मात्रा की खरीद तेजी से पूरी कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके।

केंद्र को मिले आंकड़ों के अनुसार, 16 जुलाई 2026 तक मध्य प्रदेश में 7,947.92 मीट्रिक टन मूंग की ही खरीद हो पाई है। इसमें करीब 12 हजार किसान शामिल हैं। यह मात्रा प्रदेश के लिए मंजूर कुल खरीद सीमा का लगभग 2 फीसदी ही है। केंद्र ने इसी आंकड़े का हवाला देते हुए कहा है कि पहले मौजूदा स्वीकृत सीमा के तहत खरीद पूरी कराई जाए। मंत्रालय के मुताबिक, स्वीकृत मात्रा पूरी होने के बाद यदि अतिरिक्त खरीद की जरूरत रहती है तो नियमों के तहत राज्य के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है।

पिछले साल 3.93 लाख टन मूंग खरीदी गई थी- केंद्र के अनुसार, ग्रीष्मकालीन सीजन 2024-25 में मध्य प्रदेश के लिए 4,19,692 मीट्रिक टन मूंग खरीद की मंजूरी दी गई थी। इसके मुकाबले 3,93,123.79 मीट्रिक टन मूंग की खरीद हुई। इस खरीद का एमएसपी मूल्य करीब 3,413.10 करोड़ रुपये रहा और 1,22,776 किसानों को इसका लाभ मिला।

तूर, उड़द और मसूर की 100त खरीद का प्रावधान

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने बताया कि PM-AASHA के तहत तूर, उड़द और मसूर की 100 फीसदी खरीद का प्रावधान है। वहीं, अन्य अधिसूचित फसलों की खरीद अनुमानित उत्पादन के अधिकतम 25 फीसदी तक की जा सकती है। मंत्रालय के अनुसार, खरीद व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को बाजार में कीमत गिरने की स्थिति में रूस्क्षका सुरक्षा कवच देना है।

कॉलेजों में अब पढ़ाई के साथ रोजगार की तैयारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के 68 शासकीय महाविद्यालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वित्तीय तकनीक के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों का संचालन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के सहयोग से किया जाएगा। खास बात यह है कि विद्यार्थियों के लिए यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इन 68 महाविद्यालयों में 55 प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालय और 13 स्वशासी महाविद्यालय शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराना है, ताकि पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कुल दो हजार विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पहले चरण में एक हजार विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे अब बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है।

मेट्रो एंकर

राहवीर योजना में 25 हजार का इनाम, फिर भी घायलों की मदद में एमपी पिछड़ा

90 हजार हादसों के बीच सिर्फ 49 मददगार आए सामने

गोल्डन आवर में बचाई जान फिर भी झिझक

पुलिस की कार्रवाई के डर से कतराते हैं लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भारत सरकार की राहवीर योजना लागू हुए सवा साल हो गए हैं, लेकिन केवल 49 राहवीर ही सड़क हादसों में घायलों की मदद के लिए सामने आए हैं। इन्होंने गोल्डन आवर में घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इन 49 राहवीरों को राज्य सरकार ने 25 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत किया। इन 49 राहवीरों को 12 लाख 25 हजार रुपये की राशि दी गई है।

लेकिन पुलिस का भय कहें या कानूनी प्रक्रिया में कोई उलझना नहीं चाहता, इन तमाम वजहों से राहवीर सड़क हादसों में घायलों की मदद करने से कतराते हैं। प्रदेश में सड़क हादसों में डेढ़ साल में 90 हजार 138 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इनमें से 95 हजार 843 लोग घायल हुए और 25 हजार 869 लोगों की मृत्यु हुई। बता दें कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 21 अप्रैल 2025 को राहवीर योजना शुरू की गई थी। योजना के अंतर्गत सबसे बड़ी शर्त यह है कि घायल को दुर्घटना के पहले घंटे में अस्पताल पहुंचाया जाए।

25 हजार प्रोत्साहन राशि देने का प्रविधान

सड़क दुर्घटना में घायल को एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो उसकी मौत का खतरा 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है। लेकिन पुलिस कहीं गवाह न बना ले, इस डर से कुछ लोग चाहकर भी मदद नहीं करते। केंद्र सरकार ने इसे प्रोत्साहित करने के लिए राहवीर योजना शुरू की। इसका उद्देश्य था कि बिना डर के लोग पीड़ित का सहयोग कर सकें। गंभीर घायल को दुर्घटना के पहले घंटे में अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रविधान योजना में किया गया है।

29 जिले से 49 राहवीरों को मिली है प्रोत्साहन राशि

विदिशा, अनूपपुर, खरगोन, देवास- चार-चार
श्योपुर, सिवनी, उमरिया, ग्वालियर, बड़वानी, पन्ना, शिवपुरी, जबलपुर- दो-दो
बालाघाट, मंडला, उज्जैन, झाबुआ, कटनी, मंदसौर, सतना, नर्मदापुरम, खंडवा, गुना, भिंड, इंदौर, धार, बैतूल, रीवा, बुरहानपुर, सागर- एक-एक
चार महानगरों में सड़क हादसे

लोकतंत्र की ताकत संवाद में

संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी है। यहां सत्ता और विपक्ष दोनों जनता की आवाज लेकर पहुंचते हैं। इसलिए जब संसद लगातार हंगामे की भेंट चढ़ती है, तो सबसे बड़ा नुकसान किसी दल का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और देश की जनता का होता है। मानसून सत्र में भी कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की अपेक्षा थी, लेकिन राजनीतिक टकराव ने कार्यवाही को बार-बार प्रभावित किया है।

विपक्ष का अधिकार है कि वह सरकार से जवाब मांगे, संवेदनशील मुद्दों पर बहस कराए और जनता की चिंताओं को मुखरता से उठाए। दूसरी ओर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह पारदर्शिता दिखाए, उचित समय पर जवाब दे और चर्चा से पीछे न हटे। यदि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े रहें तो संसद का मूल उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है। देश के सामने इस समय अनेक महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रोजगार, कृषि, शिक्षा, तकनीक, राष्ट्रीय सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे विषय व्यापक चर्चा की मांग करते हैं। संसद में इन्हीं मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि बेहतर नीतियां बन सकें। यदि पूरा सत्र केवल विरोध और प्रतिरोध तक सीमित रह जाए तो जनता के विश्वास को ठेस पहुंचना स्वाभाविक है।

यह भी सच है कि लोकतंत्र में असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति है। किंतु असहमति और अवरोध में अंतर होता है। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहां तीखी बहस हो, लेकिन निर्णय प्रक्रिया आगे बढ़ती रहे। दुनिया के परिपक्व लोकतंत्रों में भी सरकार और विपक्ष के बीच मतभेद होते हैं, परंतु राष्ट्रीय हित से जुड़े विषयों पर संवाद का रास्ता खुला रहता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता और विपक्ष दोनों राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठकर संसद की गरिमा को प्राथमिकता दें। सरकार को विपक्ष की बात सुनने और आवश्यक विषयों पर विस्तृत चर्चा कराने में उदारता दिखानी चाहिए, वहीं विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विरोध के साथ-साथ विधायी कार्य भी बाधित न हो। आखिर संसद का हर मिनट जनता के धन और विश्वास से संचालित होता है।

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने से नहीं, बल्कि संस्थाओं को प्रभावी ढंग से चलाने से तय होती है। संसद यदि सुचारु रूप से चलेगी, तो न केवल बेहतर कानून बनेंगे, बल्कि जनता का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास भी और मजबूत होगा। संवाद, जवाबदेही और सहमति की संस्कृति ही भारत के संसदीय लोकतंत्र को नई मजबूती दे सकती है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

विकास के नाम पर अपने ही विनाश का मार्ग... धरती की चेतावनी सुनिए

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है। साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी।

पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे।

प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफान, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गरमाहट के चलते हमें अकसर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गरमाहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विडंबना है कि लगातार प्रकृति का प्रचंड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आज भी भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं जिम कार्बेट

प्रयाग पाण्डे
स्तंभकार

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथा लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की 151वीं जयंती 25 जुलाई के साथ खामोशी के साथ गुजर गई। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं।

जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी मां का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था।

जिम कॉर्बेट की ख्याति कुशल शिकारी और शिकार कथा लेखक के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे 'गोरा साधु' की संज्ञा दी थी।

जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इस वजह से उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था। जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे।

जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता। 1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता। जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब 'माय इंडिया' हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने 'माय इंडिया' की प्रस्तावना में लिखा, 'जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूं, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे-सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं, जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूं और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूं। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूंगा और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूं। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम। ' जब जिम कॉर्बेट मोहान के खूंखार नरभक्षी शेर को मारने के लिए घने जंगल में अकेले उसका पीछा कर रहे थे, एकाएक एक गहरी संकरी खाई में जिम कॉर्बेट और नरभक्षी शेर का प्रत्यक्ष आमना- सामना हो गया। शेर, चारे के रूप में लगाए गए कटड़े को खाकर संकरी खाई में टूटे वृक्ष के तने के नीचे आराम फरमा रहा था। नरभक्षी को खोजते हुए जिम उसके बेहद करीब पहुंच गए। नरभक्षी शेर के मुंह और जिम के बीच केवल पांच फिट का फासला था। शेर नींद में था। जिम ने नरभक्षी शेर के माथे पर दनादन दो गोलियां उतार दीं। शेर वहीं पर ढेर हो गया। जिम कॉर्बेट इस नरभक्षी को मारने के निमित्त महीनों से दिन -रात जंगलों की खाक छान रहे थे। उनका काम पूरा हो गया था। इस वाकये के वक्त वहां जिम और नरभक्षी के अलावा कोई और चश्मदीद नहीं था। शेर को मारने के बाद जिम शेर की लाश के पास ही गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए। सिगरेट सुलगाई और सोचने लगे कि उन्होंने नरभक्षी शेर को मारने का यह काम ठीक ईमानदारी से नहीं किया।

जिम कॉर्बेट ने अपने जीते जी समाज की खूब निःस्वार्थ सेवा की। उनकी मृत्यु के 71 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज उनके नाम से कालाढूंगी और रामनगर क्षेत्र में सालाना हजारों करोड़ रुपये का पर्यटन व्यवसाय चल रहा है। इस क्षेत्र में फड़-खोमचों से लेकर बड़े - बड़े टूरिस्ट रिसॉर्ट जिम कॉर्बेट के नाम पर चल रहे हैं। जीवित रहते जिम कॉर्बेट ने सशरीर आम लोगों की भरपूर मदद की, उनकी मृत्यु के बाद उनका नाम लोगों की मदद कर रहा है। इस दृष्टि से जिम कॉर्बेट अविस्मरणीय थे और रहेंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

दिमाग पर कैफीन का असर, बार-बार चाय - कॉफी पीने से हो रहा नुकसान

भारत में आज भी कई लोगों को शुरुआत सुबह की चाय या कॉफी से ही होती है। चाय या कॉफी पीने के बाद व्यक्ति खुद को फ्रेश महसूस करते हैं। लेकिन, बार-बार चाय या कॉफी पीना आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन का असर हर व्यक्ति में अलग-अलग होता है। कुछ लोगों को चाय या कॉफी में मौजूद कैफीन से बैचेनी, घबराहट, हाथ कांपना या दिल की धड़कन तेज होने जैसी समस्याएं शुरु हो सकती है।

एनसीबीआई के अनुसार कैफीन बहुत तेजी से शरीर में अवशोषित होकर लगभग 30 से 60 मिनट के भीतर मस्तिष्क तक पहुंच जाती है। वहां यह एडेनोसिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर के रिसेप्टर को ब्लॉक कर देती है। सामान्य परिस्थितियों में एडेनोसिन

दिमाग को शांत रखने और नींद महसूस कराने में मदद करता है। जब कैफीन इसका असर रोक देती है, तो मस्तिष्क अधिक सक्रिय हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप डोपामिन, नॉरएड्रेनालिन और एड्रेनालिन जैसे रसायनों की गतिविधि बढ़ सकती है। यही कारण है कि व्यक्ति अधिक सतर्क महसूस करता है, लेकिन अधिक मात्रा में यही प्रक्रिया बेचैनी और घबराहट भी बढ़ा सकती है।

एनसीबीआई के अनुसार कैफीन का नियमित और अधिक मात्रा में सेवन करने से एंग्जायटी और पैनिक अटैक ट्रिगर हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति को पहले से जरनलाइज्ड एंग्जायटी डिसऑर्डर, पैनिक डिसऑर्डर और सोशल एंग्याजटी है तो ज्यादा कैफीन लेने पर लक्षण बढ़ सकते हैं। अधिक कैफीन लेने पर व्यक्ति को दिल की धड़कन तेज होना, घबराहट, बेचैनी, पसीना आना, सांस तेज चलना, चक्कर महसूस होना, हाथ कांपना आदि लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

स्टडी के अनुसार हर व्यक्ति कैफीन को अलग गति से मेटाबोलाइज करता है। कुछ लोगों में थोड़ी मात्रा भी अधिक प्रभाव डाल सकती है। जैसे एंग्जायटी डिसऑर्डर वाले मरीज, पैनिक डिसऑर्डर वाले लोग, गर्भवती महिलाएं, किशोर और युवा और कम नींद लेने वाले लोग। 400 मिलीग्राम तक कैफीन आमतौर पर सुरक्षित मानी जाती है। इससे ज्यादा मात्रा में कैफीन लेने से मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। यही वजह है कि अधिक मात्रा में कैफीन से एंग्जायटी, पैनिक अटैक और डिप्रेशन ट्रिगर हो सकती है।

निशाना

हादसे आजकल सभी आम हो गए ..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

हादसे आजकल सभी, आम हो गए,
मुखौटे लगाकर रावण सभी, राम हो गए,
आबरू या जिंदगी ,जो चाहो लो खरीद,
तय देखिए हर चीज के, दाम हो गए,
सत्यता की बात आज ,बोलने वाले ,
हालात यूं बदले की, सब बदनाम हो गए,
घर बँटा ज़मीं बंटी,हुई यह बात पुरानी,
अब तो टुकड़े टुकड़े ,आसमान हो गए,
हाथ में तकदीर कुछ ,सौंपी थी सोचकर,
क्या करें सच के शिखर , नीलाम हो गए।

टेक्नो अपडेट

दीवारों को स्मार्ट बनाएगा Jio, घर के हर कोने में मिलेगा अच्छा सिग्नल

दीवारों के भी कान होते हैं, ये तो सभी ने सुना होगा, लेकिन दीवारों को स्मार्ट Jio ने बनाया है। अक्सर देखा गया है कि घर में कोई न कोई ऐसी जगह जरूर होती है, जहां Wi-Fi का नेटवर्क पूरी तरह से गायब हो जाता है। इस समस्या को दूर करने का एक अनोखा तरीका खोजा है। जिओ ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में अपनी स्वदेशी 6G तकनीक का हिस्सा रहे इंटेलीजेंट रिफ्लेक्टिंग सरफेस यानी स्मार्ट वॉल का प्रोटोटाइप पेश किया था। यह तकनीक भविष्य में 6G और मौजूदा 5G नेटवर्क को उन जगहों पर पहुंचा सकती है, जहां सिग्नल दीवारों और इमारतों की वजह से नहीं पहुंच पाते।

आसान भाषा में बताएं, तो Jio ने दीवारों को स्मार्ट बनाने वाली तकनीक खोजी है, जो कि नेटवर्क को रोकने की जगह उन्हें और ज्यादा फैलाने का काम करेंगी।

दरअसल ये डिवाइस खुद कोई सिग्नल नहीं पैदा करेगा। आप इसे एक स्मार्ट शीशे की तरह समझ सकते हैं, जो कमरे के अंधेरे कोनों में रोशनी फेंकेगा। यहां फर्क इतना है कि यह शीशा रोशनी की जगह मोबाइल तरंगों या वेव्स को फेंकेगा। इसमें कई छोटे-छोटे प्रोग्रामेबल एलिमेंट्स लगे होते हैं, जो दीवारों या बड़ी इमारतों के पार उन जगहों तक नेटवर्क को पहुंचा सकते हैं, जहां नेटवर्क कमजोर पड़ जाता है।

कम बिजली में स्ट्रांग नेटवर्क: आमतौर पर खराब सिग्नल को ठीक करने के लिए नए टावर या छोटे सेल्स लगाने पड़ते हैं। इसमें खर्चा और जगह दोनों की समस्या आती है। वहीं Jio का स्मार्ट वॉल पैनल बहुत कम बिजली खर्च करके AI का इस्तेमाल करते हुए सिग्नल को सभी जगह पहुंचाएगा। इसके लिए नए टावर लगाने नहीं पड़ेंगे बल्कि यह तकनीक पहले से मौजूद टावर के नेटवर्क को और भी ज्यादा मजबूत बनाने का काम करेगी।

Jio से पहले जापान की NTT Docomo और फ्रांस की Orange जैसी कंपनियां इस तरह के ट्रायल कर चुकी हैं। Jio की इस स्वदेसी 6G प्रोटोटाइप तकनीक से भारत भी ग्लोबल 6G रिसर्च का अहम हिस्सा बन गया है। इसे कमर्शियल तरीके से बाजार में उतरने में समय लगेगा लेकिन भविष्य में यह मोबाइल नेटवर्क को काफी स्टेबल और मजबूत बना सकता है।

इंस्पिरेशन

सपनों की 'पिंक' सवारी.. ऑटो वाली राजी अम्मा संवार रही हैं बेटियों का भविष्य

चेन्नई की राजी अशोक पिछले 15 सालों से सरकारी स्कूल की बच्चियों को अपने पिंक ऑटो में मुफ्त और सुरक्षित सफर करा रही हैं। उनका उद्देश्य है कि किसी भी बेटी की पढ़ाई आर्थिक या सुरक्षा कारणों से बीच में न छूटे। ये हैं 54 वर्षीया राजी अशोक।

राजी अशोक शिक्षा और महिला सुरक्षा की अनुपम मिसाल पेश कर रही हैं। उनका एकमात्र मिशन यह पूर्णतः सुनिश्चित करना है कि किसी भी छात्रा को शिक्षा बीच में न छोड़नी पड़े। राजी खुद 1992 में अपनी बीए फिलॉसफी की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई थीं, जिसका मलाल उन्हें हमेशा रहा। इसी टीस को उन्होंने अपनी ताकत बनाया। पिछले 15 वर्षों से वह चेन्नै के टी नगर, कोडंबक्कम, अन्ना नगर और पेरंबूर में सरकारी स्कूल की छात्राओं को अपने 'पिंक ऑटो' में मुफ्त सफर करवा रही हैं।

राजी के ऑटो पर लिखा है, 'सरकारी स्कूल की छात्राओं के लिए मुफ्त सफर'। वह प्रतिदिन सुबह और शाम दो-दो ट्रिप लगाकर करीब 10 से 15 छात्राओं को सुरक्षित स्कूल और घर पहुंचाती हैं। सार्वजनिक परिवहन में होने वाली छेड़छाड़ को देखते हुए राजी ने उन्हें सुरक्षित वातावरण देने का संकल्प लिया। उनकी सेवा भावना ऐसी है कि वह ऑटो में बिस्किट के पैकेट भी रखती हैं, ताकि स्कूल से लौटती भूखी छात्राओं को राहत मिल सके।

राजी अशोक सिर्फ छात्राओं को मुफ्त सफर ही नहीं करातीं, बल्कि उनके लिए भरोसे का एक चेहरा बन चुकी हैं। स्कूल की कई छात्राएं उन्हें प्यार से 'ऑटो वाली अम्मा' कहकर बुलाती हैं। पिछले 15 सालों में उन्होंने हजारों छात्राओं को सुरक्षित स्कूल पहुंचाया है। इतना ही नहीं, जरूरतमंद महिलाओं, बुजुर्गों और रात में मुश्किल में फंसी महिलाओं को भी वह मुफ्त सफर उपलब्ध कराती हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वह इच्छुक महिलाओं को मुफ्त में ऑटो चलाना भी सिखाती हैं। उनका मानना है कि शिक्षा और सुरक्षित सफर, दोनों हर बेटी का अधिकार हैं। राजी कहती हैं कि अगर उनके छोटे से प्रयास से एक भी लड़की अपनी पढ़ाई पूरी कर पाती है, तो यही उनकी सबसे बड़ी सफलता है।

मौसम साफ होने से खेतों में छाई हरियाली की मनमोहक छटा

गंजबासौदा। बारिश के बाद मौसम साफ होने से खेतों में हरियाली की मनमोहक छटा देखने को मिल रही है। दूर-दूर तक लहलहाती फसलें, आसमान में छाए बादल और प्रकृति का मनोरम नजारा किसानों के लिए राहत और उम्मीद लेकर आया है। समय पर हुई वर्षा से खरीफ फसलों में अच्छी बढ़वार हो रही है, जिससे किसानों को इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद जगी है। खेतों में बिछी हरियाली की चादर न केवल ग्रामीण अंचल की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि किसानों के चेहरों पर भी नई मुस्कान बिखेर रही है।

न्यूज विंडो

कांग्रेस भोजन लेकर पहुंची, छात्रावास व्यवस्थाओं पर उठे गंभीर सवाल

गंजबासौदा। लालपठार स्थित शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय छात्रावास में परीक्षा दे रहे छात्रों को लगातार दो दिनों तक भोजन नहीं मिलने का मामला सामने आने के बाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधिमंडल छात्रावास पहुंचा। कांग्रेस नेता अपने साथ भोजन लेकर पहुंचे और छात्रों को भोजन उपलब्ध कराया। इसके बाद छात्रों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। छात्रों ने छात्रावास अधीक्षक पर मनमानी, बिना पूर्व सूचना छात्रावास खाली कराने का दबाव बनाने और समस्याओं की अनदेखी करने के आरोप लगाए। वहीं कांग्रेस नेताओं ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नितिन दुबे ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली थी कि छात्रावास में कुछ छात्र अभी भी रह रहे हैं, क्योंकि उनकी परीक्षाएं शेष हैं। इसके बावजूद उन्हें पिछले दो दिनों से भोजन उपलब्ध नहीं कराया गया। सूचना मिलते ही कांग्रेस नेताओं ने तत्काल छात्रावास पहुंचकर छात्रों के लिए भोजन की व्यवस्था की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल द्वारा छात्रों से अलग से चर्चा किए जाने पर छात्रों ने बताया कि उन्हें बिना पर्याप्त पूर्व सूचना छात्रावास खाली करने के लिए कहा गया। उनका कहना था कि परीक्षाएं जारी होने के कारण वे कहीं और जाने की स्थिति में नहीं थे। छात्रों ने आरोप लगाया कि भोजन जैसी मूलभूत सुविधा भी बंद कर दी गई और उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया।

गुरु पूर्णिमा पर जेल में गूंजेगा आत्ममंथन का संदेश, कृष्णा गुरुजी करेंगे संवाद

उज्जैन। गुरु पूर्णिमा पर 29 जुलाई को सुबह 11 बजे से 12 बजे तक भैरवगढ़ केंद्रीय जेल, उज्जैन में गुरु पूर्णिमा (मार्गदर्शक दिवस) का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आध्यात्मिक चिंतक एवं मानवसेवी कृष्णा गुरुजी बंदीजनों से एक आत्ममंथन कराने वाला प्रश्न पूछेंगे। जैसे आपका गुरु कौन था जिसके मार्गदर्शन ने आपको यहां तक पहुंचाया। उनका कहना है कि जहां अज्ञानता होती है, वहीं गुरु के ज्ञान की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। गुरु केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि वह चेतना है, जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश, भ्रम से विवेक और भटकाव से सही मार्ग की ओर ले जाती है। कृष्णा गुरुजी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि आत्मविश्लेषण, सही मार्गदर्शन और जीवन परिवर्तन का अवसर भी है। कार्यक्रम में सामूहिक गुरु वंदना, भजन, ध्यान एवं गुरु मंत्र के माध्यम से बंदीजनों को आत्मचिंतन, अनुशासन, सकारात्मक सोच और समाज की मुख्यधारा से पुनः जुड़ने का संदेश दिया जाएगा।

एबी रोड परचून से भरे ट्रक को घेरा, दनादन की फायरिंग

चंबल में डकैतों का खौफ... डकैत कल्ली गुर्जर ने कंटेनर के 12 टायर फोड़े, वसूला टैरर टैक्स

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के अंतर्गत आने वाले ग्वालियर - चंबल में डकैतों का खौफ दोबारा पनपने लगा है। 9 महीने पहले गुर्जा गांव (तिघरा) में घुसकर गनप्वाइंट पर गर्भवती महिला को अगवा करने वाले डकैत कल्ली गुर्जर ने रविवार को दिनदहाड़े एबी रोड को दहला दिया। डकैत और उसके साथियों ने दिल्ली से भोपाल परचून लेकर जा रहे ट्रक को बंदूकों की नोंक रोककर चालक से टैरर टैक्स मांगा और पैसा नहीं देने पर डकैत गैंग ने कंटेनर के 12 टायर गोली मारकर फोड़ दिए। ड्राइवर को धमकी दी कि अपने मालिक से कह देना है हाइवे पर चलना है तो उसे पैसा देना पड़ेगा। डकैतों के खुलेआम हाइवे पर फायरिंग से दहशत हो गई एबी रोड से निकल रहे वाहन थम गए। खुलेआम आतंक मचाकर डकैत गिरोह सिंघाईगढ़ा गांव के कच्चे रास्ते से भाग गया।

डकैत कल्ली गुर्जर और उसके तीन साथियों ने आतंक रविवार दोपहर करीब 11.30 बजे सिरसा गांव से कुछ दूर सिंघाईगढ़ा गांव (मोहना और घाटीगांव के बीच) मचाया। घनश्याम सिंह गुर्जर निवासी नजीराबाद भोपाल ने बताया, वह गुरुकृपा ट्रांसपोर्ट कंपनी में ड्राइवर की नौकरी करते हैं। 26 जुलाई को हेल्पर चेतराम तोमर के साथ कंटेनर आरजे 11 जीबी 8882 में परचून भरकर दिल्ली से भोपाल जा रहे थे। दोपहर को सिरसा गांव क्रास कर सिंघाईगढा से गुजर रहे थे तब सफेद रंग की बिना नंबर की जीप से डकैत कल्ली गुर्जर और उसके साथी ट्रक का पीछा करते हुए। डकैतों ने ट्रक को ओवर टेक कर रोककर वारदात की। एएसपी देहात जयराज कुबेर का कहना है कि, वारदात मोहना और घाटीगांव के बीच में रविवार दोपहर की है। ट्रक चालक की शिकायत पर केस दर्ज किया है। डकैतों की तलाश की जा रही है।

बोला हाइवे पर चलना है तो टैरर टैक्स देना पड़ेगा

धनश्याम सिंह ने बताया, जीप से उतरकर डकैतों ने बंदूकें तान दीं। गैंगलीडर का कल्ली गुर्जर निवासी बरवासिन, मुरैना और उसके दो साथी थे। गैंग ने पैसा मांगा लेकिन उन्हें पैसा नहीं दिया तो डकैत कल्ली गुर्जर ने 12 बोर की बंदूक से कंटेनर के टायर फायरिंग कर दी। उसने अंधाधुंध गोलियां चलाकर कंटेनर के 12 टायर फोड दिए और कांच को गोली मारकर चकनाचूर कर दिया। उसके बाद डकैत गैंग धमकी देकर भाग गई।

पुलिस रेकार्ड में फरार डकैत

डकैत कल्ली गुर्जर और उसके साथी योगी गुर्जर ने नौ महीने पहले तिघरा के गुर्जा गांव में घुसकर अंधाधुंध गोलियां चलाई थीं। आतंक मचाकर डकैत गैंग गांव में रहने वाले बृजलाल गुर्जर की गर्भवती बहू को अगवा कर ले गया था। इस वारदात में डकैत योगी गुर्जर सहित उसके कुछ साथी पकड़े गए थे लेकिन मास्टरमाइंड कल्ली गुर्जर फरार था। रविवार को उसने दिनदहाड़े फिर वारदात कर दी।

पूर्व राष्ट्रपति की पुण्यतिथि पर सेमरी विद्यालय में श्रद्धांजलि सभा

पौधरोपण, भाषण, कविता व देशभक्ति गीतों के माध्यम से किया स्मरण

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय सेमरी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद प्रधानाध्यापक, पालक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों, शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मुख्य वक्ता प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, चिंतक एवं योग गुरु सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साधारण परिवार में जन्म लेकर भी असाधारण व्यक्तित्व के धनी बने और उन्होंने अपने पूरे जीवन में राष्ट्र प्रथम का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का प्रसिद्ध विचार सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते आज भी युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में डॉ. कलाम के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद भागमल बमन्या ने डॉ. कलाम की स्मृति में पौधारोपण किया। वहीं छात्र अरुण लोधी द्वारा प्राकृतिक रंगों से हाथ से तैयार किया गया डॉ. कलाम का आकर्षक चित्र बाल कैबिनेट की ओर से विद्यालय को भेंट किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने डॉ. कलाम के जीवन पर भाषण, कविता पाठ एवं देशभक्ति गीतों की प्रभावी प्रस्तुतियां दीं।

15 साल पुरानी हरसिद्धि विहार कॉलोनी बदहाल

बारिश में डूबी सड़कें, सीवर का पानी घरों तक पहुंचा

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

देवास रोड पर बसी हाउसिंग बोर्ड की 15 साल पुरानी हरसिद्धि विहार कॉलोनी में रहवासियों का जीवन बदहाली के बीच कट रहा है। समस्या निवारण शिविर को एक महीने से ज्यादा बीत गए, लेकिन हाउसिंग बोर्ड ने न सफाई कराई, न सड़क बनाई और न ही कॉलोनी को नगर निगम को हैंडओवर किया। नतीजा यह रहा कि बारिश आते ही कॉलोनी डूब गई और रहवासियों का जीना मुहाल हो गया।

अपनी समस्याओं को कई बार जिम्मेदारों को बताने के बाद रहवासी फूट-फूट कर रो रहे हैं। कॉलोनी की सड़कें पूरी तरह उखड़ चुकी हैं। बेरोकटोक चल रहे डंपरों ने जो सड़कें बची थी उन्हें भी तोड़ दिया। सबसे बड़ा खतरा - पास की मंगलसिटी और महाकाल एवेन्यू के सीवरेज का गंदा पानी है जो कि सीधे हरसिद्धि विहार में घुस रहा है। इससे बोरवेल में भी सीवर का पानी पहुंचने का डर अब क्षेत्रवासियों के लिए मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है की 15 साल पहले लाखों रुपये देकर प्लॉट लिया था। अब वही घर घाटे का सौदा लग रहा है। हाउसिंग बोर्ड टैक्स के नाम पर मोटी रकम वसूल रहा है, पर सुविधा के नाम पर जीरो। स्थिती यह है कि आज भी हम सड़क, पानी, बिजली की मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

खाली मकान, जंगली जानवर और शरारती तत्वों का अड्डा

क्षेत्रवासियों ने बताया कि सफाई न होने से हालात और बिगड़ गए हैं। कॉलोनी में दर्जनों मकान खाली पड़े हैं, जो अब खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। झाड़ियों और खाली प्लॉटों में शरारती तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। साथ ही जंगली जानवरों का खतरा भी बढ़ गया है। बारिश में सांप घरों तक पहुंच रहे हैं।

नगर निगम को हैंडओवर करो - नीतू गुप्ता

हरसिद्धि विहार विकास समिति अध्यक्ष नीतू गुप्ता का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा शिविर में सारी समस्या बताई थी। हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ओम जैन ने हैंडओवर का आश्वासन भी दिया था। एक महीने से ज्यादा हो गया, लेकिन फाइलें अब भी धूल खा रही हैं। हमें बिजली, सड़क, पानी जैसी बुनियादी सुविधा चाहिए, इसलिए कॉलोनी को तुरंत नगर निगम को हैंडओवर करो।

मेट्रो एंकर

सैफी लाइब्रेरी में पत्रिका इंतेसाब के विशेषांक का विमोचन और मुशायरा

सिरोंज तारीख लिख रहा है कि फ़नकारों का सम्मान किस तरह किया जाता है : डॉ. आलम

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

इंतेसाब पब्लिकेशंस और सद्भावना मंच के संयुक्त तत्वावधान में त्रैमासिक पत्रिका इंतेसाब के अंजुम बाराबंकवी विशेषांक का विमोचन एवं मुशायरा आयोजित किया गया। विमोचन समारोह की अध्यक्षता एम. डब्ल्यू. अंसारी (पूर्व आईएएस) ने की। विशिष्ट अतिथि मिजर्स अज़ीम बैग रहे। स्वागत वक्तव्य प्रसिद्ध शायर एवं पत्रिका इंतेसाब के संपादक सैफी सिरोंजी ने प्रस्तुत किया, जबकि बीज वक्तव्य डॉ. मेहताब आलम ने दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन सिरोंज की युवा साहित्यकार स्तुति अग्रवाल ने किया। अतिथियों का स्वागत अब्दुल रहमान और साबिर भाई गद्दी ने किया।

डॉ. मेहताब आलम ने विशेषांक पर चर्चा करते हुए कहा कि अंजुम बाराबंकवी की शायरी में राम, सीता और लक्ष्मण भी हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक शहर सिरोंज में आयोजित किया जा रहा है। सिरोंज में ज़बान भी है, साहित्य भी है, तारीख़ भी है और तहज़ीब भी। सिरोंज हमें सिखा रहा है कि फ़नकारों का सम्मान किस तरह किया जाता है। एम. डब्ल्यू. अंसारी ने कहा कि इस विशेषांक को गंभीरता से पढ़ा जाना चाहिए। उन्होंने सैफी सिरोंजी और सद्भावना मंच के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल को बधाई देते हुए कहा कि सिरोंज गंगा-जमुनी सभ्यता का संगम है, जहां दोनों मिलकर उर्दू भाषा और हिन्दुस्तानी संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। सैफी सिरोंजी ने विशेषांक के प्रकाशन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस विशेषांक में सौ से अधिक साहित्यकारों ने अंजुम बाराबंकवी पर लिखा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बधाई-पत्र भी शामिल है। इनके अतिरिक्त विजय तिवारी, हिसामुद्दीन फ़ारूक़ी, क़मर अली शाह, नुसरत अली, तसनीम राजा, ज़फ़र सिरोंजी, उरूज अहमद और असद हाशमी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के बाद आयोजित मुशायरे में साजिद प्रेमी, दौलत राम, साजिद हाशमी, हबीब सरवर, एस. एम. सिराज, सुलेमान मजाज़ तथा अन्य कवियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर समाँ बाँध दिया।

उस शख़्स का ज़मीर कभी जागता नहीं,
जो दूसरों के दर्द को पहचानता नहीं।
— सैफी सिरोंजी

कल मिलेंगे नहीं ये सच्चे लोग,
इनको कल के लिए ममी कर लो।
— साजिद प्रेमी

किसी की याद की सीता है मन के मंदिर में,
मगर खुलूस के लछमन लकीर खींचते हैं।
— अंजुम बाराबंकवी

दानपेटी से 25 हजार गायब होने पर विवाद, वायरल वीडियो के बाद संचालक बोले- सेवादारों पर हुए खर्च

छतरपुर। छतरपुर जिले के कैंडी गांव स्थित अजयपार धाम में चढ़ावे की राशि को लेकर विवाद सामने आया है। दानपेटी से 25 हजार निकालने को लेकर हुई बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में चढ़ावे के पैसों के उपयोग को लेकर मौजूद लोगों के बीच तीखी नोकझोंक होती दिखाई दे रही है। विवाद के बाद अजयपार धाम के संचालक करन कुशवाहा उर्फ भगत जी ने सामने आकर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा कि दानपेटी से निकाली गई राशि का किसी प्रकार का दुरुपयोग नहीं किया गया। उनके अनुसार, वे साधना के लिए बाहर गए थे, जिसमें करीब 15 हजार पेट्रोल और यात्रा संबंधी अन्य खर्चों पर खर्च हुए। शेष 10 हजार सेवादारों की व्यवस्था और अन्य आवश्यक कार्यों में लगाए गए।

न्यूज विंडो

स्वयं बनाएं खिलौना आधारित शिक्षण कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न

तेंदूखेड़ा। महिला एवं बाल विकास विभाग, दमोह के जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशानुसार तेंदूखेड़ा परियोजना कार्यालय में एक दिवसीय स्वयं बनाएं खिलौना आधारित शिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में तेंदूखेड़ा-01 एवं समनापुर सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से शिक्षण सामग्री तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्थानीय एवं कम लागत वाली सामग्री का रचनात्मक उपयोग करते हुए बच्चों के लिए आकर्षक, ज्ञानवर्धक एवं प्रभावी शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करना था, ताकि प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को अधिक रोचक, सहभागी और परिणाममुखी बनाया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सदस्य चतुरेश, राजीव एवं प्रतीक ने गतिविधि-आधारित एवं सहभागी पद्धति से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों, जैसे शारीरिक, संज्ञानात्मक, भाषाई, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास पर आधारित खिलौनों एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री के निर्माण की तकनीक सिखाई। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं ने स्वयं विभिन्न शिक्षण सामग्री तैयार कर उनके उपयोग की व्यवहारिक जानकारी भी प्राप्त की। प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रतिभागी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मंच पर अपना परिचय देते हुए अपने द्वारा निर्मित शिक्षण-अधिगम सामग्री का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया।

बीईओ सरिता जैन अतिरिक्त प्रभार से पृथक छात्राओं की राशि 2 दिन में लौटाने के निर्देश

उमरिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जिला उमरिया द्वारा छात्रहित में उठाई गई आवाज और लगातार किए गए संघर्ष के बाद प्रशासन ने शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, पाली में सामने आई अनियमितताओं के मामले में कार्रवाई की है। जांच के बाद तत्कालीन प्राचार्य सरिता जैन को विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पाली के अतिरिक्त प्रभार से तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया गया है। साथ ही छात्राओं से कथित रूप से एकत्र की गई राशि दो दिनों के भीतर वापस करने के निर्देश जारी किए गए हैं। एबीवीपी ने शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, पाली में भ्रष्टाचार, छात्रवृत्ति एवं छात्राओं को व्यक्तिगत सामग्री क्रय के लिए दी गई राशि से संबंधित गंभीर अनियमितताओं की शिकायत की थी। परिषद का कहना है कि उसने आरटीआई में भ्रामक जानकारी दिए जाने और छात्रहित से जुड़े अन्य मुद्दों के संबंध में साक्ष्यों के साथ प्रशासन के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की थी। कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य), जिला उमरिया द्वारा जारी आदेश के अनुसार, श्रीमती सरिता जैन, तत्कालीन प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल गोरईया, को विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाली के अतिरिक्त प्रभार से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। आगामी व्यवस्था तक बीईओ पाली का प्रभार रीता पटेल, क्षेत्र संयोजक को सौंपा गया है। वहीं, कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य उमरिया के आदेश क्रमांक क्र./सा.स्था./2026-27/3358, दिनांक 27 जुलाई 2026 के अनुसार, जांच में यह तथ्य सामने आया कि सत्र 2025-26 में छात्राओं के बैंक खातों में व्यक्तिगत सामग्री क्रय के लिए अंतरित की गई राशि कथित रूप से एकत्र की गई थी। आदेश में इसे शासन के नियमों के प्रतिकूल माना गया है।

डिस्टिलरी के पास समतल कराई ज़मीन नमाज़ के लिए नए स्थान की कवायद

धार। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन ने भोजशाला परिसर के निकट जुमे की नमाज़ के लिए एक नए वैकल्पिक स्थान तलाश की है। डिस्टिलरी रोड स्थित यह सरकारी ज़मीन भोजशाला से मात्र 500 मीटर की दूरी पर है। प्रशासन की एक टीम ने जेसीबी और सफाईकर्मियों की मदद से इस भूमि को समतल कराने और सफाई का काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार यदि इस नए स्थान को लेकर मुस्लिम समाज के वरिष्ठ जनों के साथ सहमति बन जाती है, तो जुलाई माह के अंतिम शुक्रवार (31 जुलाई) को जुमे की नमाज़ इसी नए स्थान पर अदा की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को भोजशाला परिसर के समीप ही नमाज़ के लिए ज़मीन चिह्नित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन ने मालीवाड़ा क्षेत्र स्थित चालीस पीर दरगाह के पास स्थान तय किया था। हालांकि दूरी और उपयुक्तता को लेकर मुस्लिम समाज ने वहां नमाज़ पढ़ने से असहमति जताई थी। समाज द्वारा पिछला प्रस्ताव खारिज होने के बाद प्रशासन ने दरगाह से लगभग 500 मीटर पहले स्थित इस नई ज़मीन को विकल्प के रूप में तैयार करना शुरू किया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को सूचित किया है कि सरकारी तंत्र और दोनों समाजों के प्रतिनिधि सौहार्दपूर्ण माहौल में वार्ता कर रहे हैं।

भक्ति में डूबेगा शहर, धारनाथ के दरबार में गूंजेगा हर-हर महादेव

धार। भगवान शिव की भक्ति का पवित्र श्रावण माह इस बार 31 दिनों का रहेगा। इस दौरान धारेश्वर मंदिर सहित शहर के सभी शिवालयों में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा माहौल देखने को मिलेगा। पहले ही दिन से बाबा धारनाथ के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ने की उम्मीद है। पूरे महीने विशेष पूजन, रुद्राभिषेक, महाआरती और भस्म श्रृंगार के आयोजन होंगे। श्रद्धालुओं के लिए इस बार मंदिर में रबड़ी और केले की प्रसादी वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में सुबह से शाम तक धार्मिक अनुष्ठान चलेंगे। सुबह 5 बजे पंचामृत पूजन, अभिषेक एवं रुद्राभिषेक, सुबह 8 से 9 बजे भव्य महाआरती, शाम 5 बजे अक्षत-चंदन पूजन और बाबा धारनाथ का भव्य भस्म श्रृंगार होगा। मंदिर के पुजारी अविनाश दुबे ने बताया कि श्रावण के प्रत्येक सोमवार को सुबह 9 से 12 बजे तक श्रद्धालु गर्भगृह में प्रवेश कर सीधे बाबा धारनाथ को जल अर्पित कर सकेंगे। कांवड़ यात्रियों के लिए मंदिर परिसर के बाहर एक विशेष पात्र लगाया गया है, जो पाइप के जरिए सीधे भगवान शिव के मस्तक से जुड़ा है। कांवड़िए बाहर पात्र में जल अर्पित करेंगे और वह सीधे बाबा धारनाथ का जलाभिषेक करेगा। सावन के सभी सोमवार और विशेष अवसरों पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहेगा। दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर और आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

असुविधा: तेजगढ़ आरोग्यम मंदिर में पानी का संकट

मरीजों के परिजन घर से ला रहे पानी प्रसूताओं को रेफर करने की नौबत

तेंदुखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदुखेड़ा विकासखंड के तेजगढ़ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (आरोग्यम मंदिर) में मूलभूत सुविधाओं का अभाव मरीजों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित इस स्वास्थ्य केंद्र में पिछले लगभग एक महीने से पानी की व्यवस्था ठप पड़ी है। मोटर पंप खराब होने के कारण भर्ती मरीजों, प्रसूताओं और अस्पताल स्टाफ को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल में हैरान करने वाला दृश्य देखने को मिला, जब भर्ती मरीजों के परिजन अपने घरों से पानी के डिब्बे और केन भरकर अस्पताल पहुंचते नजर आए। अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं के परिजनों का कहना है कि पानी नहीं होने के कारण उन्हें स्वयं व्यवस्था करनी पड़ रही है। स्थानीय निवासी जन्मेजय गौतम और प्रमोद सिंह (कोटखमरिया) ने बताया कि वे अपनी महिलाओं को प्रसव के लिए तेजगढ़ अस्पताल लेकर आए थे। अस्पताल स्टाफ ने उन्हें बताया कि अस्पताल में पानी उपलब्ध नहीं है, इसलिए मरीजों को तेंदुखेड़ा या दमोह रेफर करना पड़ सकता है। इसके बाद परिजन मजबूरी में घर से पानी लेकर अस्पताल पहुंचे। परिजनों के अनुसार अस्पताल का मोटर पंप करीब एक महीने से खराब पड़ा है। इस दौरान न केवल मरीज बल्कि डॉक्टरों और स्टाफ को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। तेजगढ़ अस्पताल पर लगभग 84 गांवों की स्वास्थ्य

सेवाओं का दारोमदार है। स्थानीय लोग किसी तरह घर से पानी ला सकते हैं, लेकिन दूर-दराज से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए यह स्थिति बेहद गंभीर है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार सरकारी अस्पतालों में बेहतर इलाज और सुरक्षित प्रसव का दावा करती है, लेकिन तेजगढ़ अस्पताल की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। उनका आरोप है कि अस्पताल प्रभारी डॉ. प्रियंका शर्मा नियमित रूप से अस्पताल नहीं आतीं और व्यवस्थाओं पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। ग्रामीणों ने बताया कि उनके खिलाफ पहले भी कई शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अस्पताल प्रबंधन गंभीर होता तो ग्राम पंचायत से समन्वय कर प्रतिदिन पानी का टैंकर मंगाने जैसी अस्थायी व्यवस्था की जा सकती थी।

पत्र भेजा है, अनुमति के बाद कराया जाएगा काम

अस्पताल प्रभारी डॉ. प्रियंका शर्मा ने बताया कि मोटर पंप की समस्या के संबंध में खंड चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा गया है। अनुमति मिलने के बाद आवश्यक कार्य कराया जाएगा। वहीं ग्राम पंचायत तेजगढ़ के सचिव भानु प्रताप राजपूत ने बताया कि अस्पताल की मांग पर नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिया गया था, लेकिन अस्पताल का पूरा कार्य केवल नल से संचालित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पंचायत से पानी का टैंकर भेजने के लिए अस्पताल की ओर से कोई मांग नहीं की गई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक बरोनिया ने बताया कि तेजगढ़ अस्पताल में जन आरोग्य कल्याण समिति गठित है, जिसे ओपीडी से राशि प्राप्त होती है। समिति प्रस्ताव पारित कर ऐसी आवश्यक व्यवस्थाओं पर खर्च कर सकती है। उनका कहना है कि यदि समिति नियमानुसार कार्य करे तो इस तरह की समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सकता है। अब सवाल यह है कि जब एक महीने से अस्पताल में पानी जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है, तो जिम्मेदार विभाग और अस्पताल प्रबंधन ने अब तक स्थायी या वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की? यदि यही स्थिति बनी रही तो मरीजों की परेशानी और बढ़ सकती है।

सोशल मीडिया पर उठी छात्राओं की सुरक्षा की मांग स्कूल मार्गों पर नियमित पुलिस गश्त की अपील

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के खकरिया रोड पर स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय, शासकीय कॉलेज एवं जबलपुर मार्ग पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय एवं कन्या शाला रोड पर छात्राओं की सुरक्षा को लेकर स्थानीय नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस प्रशासन से विशेष पहल करने की मांग उठाई है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक सार्वजनिक आग्रह में थाना प्रभारी से विद्यालय खुलने और छुट्टी के समय नियमित पुलिस गश्त कराने तथा मनचलों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। नागरिकों का कहना है कि इन मार्गों से प्रतिदिन हजारों छात्र-छात्राएं, विशेषकर बालिकाएं, स्कूल और कॉलेज आती-जाती हैं। सुबह लगभग 10 से 11 बजे तथा शाम करीब 4 बजे, जब छात्राओं का आवागमन अधिक रहता है, उसी समय इन सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव भी रहता है। इसके अलावा कुछ युवक बुलेट और अन्य मोटरसाइकिलों से तेज रफ्तार एवं लहराते हुए वाहन चलाते हैं तथा सड़क पर हीरोगिरी करते नजर आते हैं। इससे छात्राओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में एक संभावित दुर्घटना टल गई, जिससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ गई है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई गंभीर हादसा हो सकता है। सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से नागरिकों ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया है कि स्कूल और कॉलेजों के खुलने एवं छुट्टी के समय इन मार्गों पर नियमित पुलिस गश्त कराई जाए तथा तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाने, स्टंट करने और छात्राओं से अभद्रता करने वाले मनचलों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उनका मानना है कि पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से ऐसे असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।

ओंकारेश्वर हादसे पर पहली कार्रवाई

उपयंत्री निलंबित; अब बाकी जिम्मेदारों पर उठे सवाल

ओंकारेश्वर। दोपहर मेट्रो

ओंकारेश्वर की ब्रह्मपुरी पार्किंग क्षेत्र में खुले सेप्टिक टैंक में गिरने से महाराष्ट्र के नागपुर निवासी तीन वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत के बाद प्रशासन ने पहली बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर परिषद के उपयंत्री सुरेशचंद्र पाटीदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने यह कार्रवाई की। हालांकि, इस फैसले के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या केवल एक अधिकारी का निलंबन इस गंभीर लापरवाही के लिए पर्याप्त माना जा सकता है।

मासूम की मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया। घटना को गंभीर मानते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर परिषद ओंकारेश्वर के उपयंत्री सुरेशचंद्र पाटीदार को निलंबित कर दिया गया। प्रशासन ने इसे प्रारंभिक कार्रवाई बताया है। घटना ऐसे स्थान पर हुई, जहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान सेप्टिक टैंक खुला छोड़ दिया गया था। यदि समय रहते टैंक को ढक दिया जाता, मजबूत बैरिकेडिंग की जाती, चेतावनी बोर्ड लगाए जाते और सुरक्षा मानकों का पालन होता, तो संभव है कि यह हादसा टल सकता था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या पूरी जिम्मेदारी केवल एक अधिकारी तक सीमित है या अन्य संबंधित अधिकारी, एजेंसियां और ठेकेदार भी इसके लिए जवाबदेह हैं। इस मामले को केवल विभागीय लापरवाही नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय माना जा रहा है।

ब्याज मांगने गए युवक की हत्या

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

ब्याज की रकम मांगने घर पहुंचे एक युवक की दो सगे भाइयों ने लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना में युवक का साथी भी घायल हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में आक्रोश और तनाव का माहौल है।

बरगी थाना प्रभारी निलेश दोहरे ने बताया कि रेता मोहल्ला, ग्राम मनेखड़ी निवासी अशोक उइके (27) ने करीब चार माह पहले गांव के विमल उर्फ पंडा नेताम की सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल 9,500 रुपये में गिरवी रखी थी। लगभग एक सप्ताह पहले विमल के पुत्र दिनेश नेताम और लाल नेताम मूलधन चुकाकर मोटरसाइकिल वापस ले गए थे, लेकिन ब्याज की राशि नहीं दी थी।

बताया गया कि अशोक उइके रात में अपने साथी दीपू गौड़ के साथ ब्याज की रकम मांगने विमल उर्फ पंडा नेताम के घर पहुंचा। इसी बात को लेकर वहां विवाद हो गया। आरोप है कि दिनेश और लाल नेताम ने अशोक और उसके साथी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों भाइयों ने लाठियों से हमला कर दिया। शोर सुनकर अशोक की मां बीच-बचाव करने पहुंचीं तो आरोपियों ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद दोनों भाइयों ने अशोक पर लाठियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मोरटक्का सिक्सलेन पुल का निरीक्षण कर दिए निर्देश

खंडवा। दोपहर मेट्रो

इंदौर-एदलाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेने सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय अधिकारी (आरओ) एन. एल. यवतकर निरीक्षण पर पहुंचे। इंदौर से शुरू हुए निरीक्षण के दौरान उन्होंने मोरटक्का स्थित नर्मदा नदी पर निर्माणाधीन सिक्सलेन पुल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से परियोजना की प्रगति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान आरओ यवतकर ने उस लेन का अवलोकन किया, जिस पर वर्तमान में यातायात संचालित हो रहा है। मौके पर मौजूद एनएचएआई अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों ने उन्हें पुल की तकनीकी स्थिति, शेष कार्य और आगामी चरणों की जानकारी दी। करीब 15 मिनट तक पुल पर रुककर उन्होंने दूसरी लेन के निर्माण की समीक्षा की और पूछा कि इसे यातायात के लिए कब तक खोला जा सकेगा। निर्माण एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि दूसरी लेन का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो अगले माह इसे भी वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। दूसरी लेन शुरू होने से इस मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा। निरीक्षण के दौरान बलवाड़ा से धनगांव तक निर्माण कार्य में हो रही देरी और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण लगातार हो रहे सड़क हादसों का मुद्दा भी उठा। इस पर आरओ एन. एल. यवतकर ने कहा कि वह हाल ही में इस पद पर पदस्थ हुए हैं और परियोजना की वास्तविक स्थिति जानने के लिए स्वयं निरीक्षण कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर

मां नर्मदा भूखा उठाती हैं, पर भूखा सुलाती नहीं - संघर्ष, स्वाभिमान और आस्था की मार्मिक दास्तान

3 किमी घिसटकर मां नर्मदा की शरण में पहुंचता है दिव्यांग जोहन

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

पवित्र नगरी अमरकंटक में जहां लाखों श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन कर पुण्य कमाते हैं, वहीं वहीं के वार्ड-2 बराती में एक ऐसा जीवट भी रोज आस्था की परीक्षा देता है, जिसे देखकर पत्थर दिल भी पिघल जाए। 40 वर्षीय जोहन सिंह मरावी, दोनों पैरों से पूर्णतः दिव्यांग। चलने के लिए न बैसाखी, न किसी का हाथ। कमर में जीप के टायर का कटा ट्यूब बांधते हैं, जमीन पर घिसटते-घिसटते, हाथों के बल रोज तीन किलोमीटर का सफर तय कर मां नर्मदा मंदिर के मुख्य द्वार तक पहुंचते हैं। मकसद भीख नहीं, दो रोटी का इंतजाम। घर में वृद्ध और मानसिक रूप से अस्वस्थ मां है। श्रद्धालुओं से जो मिल जाता है, उसी से चूल्हा जलता है।

जोहन बताते हैं, पिता बारेलाल सिंह मरावी 30 साल पहले घर छोड़कर चले गए, आज तक पता नहीं। मां पर तीन बच्चे। दो बहनें - लमियां बाई और झमिया बाई दोनों मानसिक अस्वस्थ। पांच साल पहले बड़ी बहन और तीन साल पहले छोटी बहन बीमारी से चल बसी। मूल गांव डिंडोरी जिले के करंजिया जनपद का बरनई है। पिता दूसरी शादी कर मौसी को लाए, फिर उसे भी छोड़ दिया। इसके बाद मां-बेटे ने अमरकंटक को ही अपना घर बना लिया। मां कुछ साल होटलों में मजदूरी करती रहीं, अब खुद संभल नहीं पातीं। जंगल से लकड़ी लाकर जैसे-तैसे रोटी बना देती हैं।जोहन कहते हैं - मैं पढ़ा-लिखा नहीं, दस्तखत भी नहीं आता, अंगूठा लगाता हूं। मेरी शादी कौन करेगा? जब तक मां है, खाना मिल जाता है।

600 रुपये पेंशन, न राशन, न गैस

सरकार से दिव्यांग पेंशन के नाम पर सिर्फ 600 रुपये महीना। उज्ज्वला का गैस कनेक्शन नहीं, सस्ते राशन का भी भरोसा नहीं। आधार कार्ड है, वोटर लिस्ट में नाम है, स्थायी निवासी है, फिर भी योजनाएं फाइलों में अटकी हैं। कल्याण सेवा आश्रम ने तीन पहिया साइकिल दी थी, पर अमरकंटक के घाट और चढ़ाई पर वह चढ़ती ही नहीं। धकेलने वाला कोई नहीं। मजबूरी में कई बार घर जाने के लिए ऑटो करना पड़ता है, 100 रुपये किराया। जो दिन भर में कमाया, आधा किराए में चला जाता है।

भीड़ में खो जाता है असली जरूरतमंद

जोहन बताते हैं, मंदिर के सामने कई हट्टे-कट्टे लोग भी भीख मांगते हैं, दान का सामान बेच देते हैं। कुछ दुकानदार महिलाएं भी दानदाताओं से पैसे ले लेती हैं। ऐसे में हम जैसे असली जरूरतमंद पहचान ही नहीं पाते। वह खुद किसी नशे के आदी नहीं। दानदाता जितना दे दे, खुशी से ले लेता हूं, दिल से दुआ देता हूं।

ज़िम्बाब्वे में मिली जीत के मायने

टी20 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया है।सीरीज के सभी मुकाबलों में टीम इंडिया की युवा टोली ने एकतरफा अंदाज में जीत हासिल की है।सफेद गेंद के चैंपियन की आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद श्रेयष अय्यर की अगुवाई में टीम इंडिया को पहली बार जीत का स्वाद चखने मिला।भले ही विपक्षी टीम ज़िम्बाब्वे होने की वजह से जीत के मायने अधिक न आंके जा रहे हों,लेकिन फिर भी सच तो यही है किआईपीएल के इन्ही शेरजादों और टी20 फ़ॉर्मेट के विस्फोटक बल्लेबाजों की भरमार के बावजूद टीम इंडिया जीत को तरस रही थी।अगर हम हालिया आयरलैंड,इंग्लैंड दौरे और फिर ज़िम्बाब्वे गयी टीम इंडिया के खिलाड़ियों की बात करें तो फिर टीम का फर्क सिर्फ गेंदबाजी और आलराउंडर यूनिट में किया गया था।अर्शदीप,अक्षर,सुंदर,कृष्णा और कुलदीप की जगह मयंक यादव,अशोक शर्मा,यश ठाकुर और विश्नोई को मौका मिला था।वैसे तो टी20 के मैन ऑफ द सीरीज सैमसन को भी इस सीरीज में तथकथित आराम की वजह से चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया था,जिनकी जगह प्रभशिमरन को शामिल किया।फिर भी मेरे नजरिये में इस टीम के बल्लेबाजी और टीम संयोजन के विकल्प जस के तस थे,लेकिन मौजूदा समय कि इन दोनों टीम का सबसे बड़ा फर्क टीम मैनजेमेंट था।गौरतलब है कि इस दौरे में हेड कोच गंभीर की जगह टीम मैनजेमेंट की अगुवाई टेस्ट मैचों के वेरी वेरी स्पेशल लक्ष्मण कर रहे थे।अब अगर हम बदली हुई युवा टीम इंडिया और नये टीम मैनजेमेंट के मद्देनजर बात ज़िम्बाब्वे दौरे की करें तो फिर भले ही विफोटक बल्लेबाजों का किरदार निर्णायक नजर आता है लेकिन कारनामा तो युवा गेंदबाजों ने भी कर दिखाया है।टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाजों ने जिस गति से इस दौरे का आगाज किया था वह वाकई भारतीय तेज गेंदबाजी के नये युग की शुरुआत कही जा सकती है। सीरीज की पहली गेंद फेंक रहे युवा गेंदबाज मयंक यादव ने जब 149 किमी गति से विकेट हासिल किया तो यह एहसास होने लगा कि बल्लेबाजी के बोलबाले वाले भारतीय क्रिकेट के मौजूदा समय मे युवा गेंदबाज भी अब पीछे नहीं रहने वाले हैं।जिस अंदाज में पूरी सीरीज में मयंक,अशोक ओर फिर यश ठाकुर ने तेज गति की गेंदबाजी की उसके बाद तो ऐसा लगा कि भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजी के हिसाब से नयी शुरुआत हो गयी है। गौरतलब है कि 43 साल पहले भारतीय क्रिकेट युग को नया आयाम देने वाली टीम भी ज़िम्बाब्वे ही थी।1983 वर्ल्ड कप में बतौर सिर्फ सहभागी गयी भारतीय टीम को विश्व क्रिकेट पटल पर अपना नाम दर्ज कराने में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम का किरदार कभी भूला नहीं जा सकता है।ज़िम्बाब्वे के खिलाफ 17 रनों पर 5 विकेट गंवाने के बाद कप्तान कपिल देव ने वह पारी खेली थी जिसने भारतीय क्रिकेट का युग व नजरिया बदला था।भारतीय कप्तान की उस पारी ने खिलाड़ियों में इतना जोश पैदा किया कि फिर उनके सामने कोई भी टीम टिक न सकी और टीम ने वह कारनामा कर दिया जिसकी कल्पना किसी ने उस वक्त नहीं की थी।मतलब साफ है कि भारतीय क्रिकेट की दशा और नयी दिशा तय करने में ज़िम्बाब्वे टीम का किरदार अहम रहा है।सच यह भी है कि ज़िम्बाब्वे टीम के साथ होने वाली मौजूदा सीरीज में पलड़ा भारतीय टीम का ही बेहद मजबूत था,लेकिन जब चैंपियन टीम लगातार पिट रही हो और उसके बाद कोई जीत मिले तो उसके मायने कुछ अलग ही होते हैं।वहीं जब टीम की जीत में सिर्फ बल्लेबाज या फिर निर्णायक किरदार गेंदबाज से हटकर पूरी टीम का नजर आये तो फिर वह जीत भी अलग ही होती है।ज़िम्बाब्वे दौरे में टीम इंडिया की जीत में सबसे बड़ी खूबी यही रही है।बल्लेबाजी क्रम में अभिषेक शर्मा को छोड़कर सभी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है जबकि गेंदबाजी यूनिट में तो सभी गेंदबाजों ने अपनी भूमिका बखूबी निभायी है। बल्ले से नाकाम अभिषेक शर्मा का प्रयोग जिस अंदाज में बतौर पार्ट टाइम गेंदबाज किया गया है बस यही सबसे बड़ा फर्क टीम मैनजेमेंट के बदलाव से देखने को मिला।दरअसल बदले हुए टीम मैनजेमेंट का एकादश संयोजन में अलग फार्मूला ही टीम को जीत की पटरी पर लाने में अहम रहा है।सभी मैचों के अंतिम एकादश संयोजन में टेम्परेरी हेड कोच लक्ष्मण का नजरिया इस मामले में बिल्कुल अलग नजर आया है।पूरी सीरीज में उनका टीम संयोजन का फार्मूला 6 बल्लेबाज,1 आलराउंडर और 4 गेंदबाजी विकल्प का कॉम्बिनेशन ही रहा है। इस संयोजन में कुछ हद तक खिलाड़ियों की अदला बदली तो हुई लेकिन फार्मूला जस का तस रहा।हालांकि मैदान के अंदर खिलाडियों के उपयोग की जिम्मेदारी कप्तान की होती है लेकिन जब 6 बल्लेबाज और सिर्फ 5 गेंदबाजी विकल्प का टीम संयोजन मैनजेमेंट तय करता है तो फिर मैदान में कप्तान की निगाहें मजबूरन पार्टटाइम विकल्प तलाशती हैं।मौजूदा सीरीज में अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा को इस किरदार में आजमाना तो यही बताता है।असल बात यह है कि वर्ल्ड चैंपियन टीम ने पिछले दौरे में टीम मैनजेमेंट के अड़ियल रवैये की वजह से टीम संयोजन का यह फार्मूला अपनाया ही नहीं और जब हेड कोच का नजरिया 6 गेंदबाजी फॉर्मूले पर टिका हो तो फिर मैदान में कप्तान भी उन्हीं पर निर्भर हो जाता है। गौरतलब है कि लगातार हारने के बावजूद भी पूरी सीरीज में गंभीर के एकादश संयोजन में 5 बल्लेबाज,3आलराउंडर ओर 3 गेंदबाजी विकल्प ही रहे।इसी वजह टीम का मध्यक्रम दोनों ही (बल्लेबाजी व गेंदबाजी) मौकों पर नाकाम रहा।इस फॉर्मूले से न तो बल्लेबाजी चली व न ही टीम की गेंदबाजी धारदार नजर आयी।वैसे तो किसी भी मुकाबले में हुई हार जीत के असल जिम्मेदार सिर्फ खिलाड़ी कहे जाते हैं,लेकिन जब कोई भी चैंपियन टीम लगातार हारने लगे तो फिर बात खिलाड़ियों के साथ उनके मैनजेमेंट की भी होने लगती है।ऐसा ही कुछ नजारा आयरलैंड और इंग्लैंड में मिली शिकस्त के बाद देखने को मिला जब कटघरे में खिलाड़ियों से कहीं अधिक मैनजेमेंट खड़ा नजर आया था।खैर जो हुआ वह अब इतिहास ही बन गया है लेकिन अब देखना यही दिलचस्प रहेगा कि जब एक बार फिर नियमित टीम मैनजेमेंट कमान संभालेगा और टीम इंडिया सफेद गेंद के फ़ॉर्मेट में मैदान में उतरती है तो फिर ज़िम्बाब्वे दौरे में मिली जीत से वह कितने और कौनसे सबक लेता है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

शर्मिला धनखड़ ने रचा इतिहास...

पैरा शॉटपुट में जीता गोल्ड 20 साल का सूखा खत्म

ग्लासगो , एजेंसी

भारत की पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स में इतिहास रचते हुए देश को पैरा एथलेटिक्स का पहला स्वर्ण पदक दिला दिया। ग्लासगो में आयोजित महिलाओं की शॉट पुट स्र57 स्पर्धा में शर्मिला ने 9.81 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत का पैरा एथलेटिक्स में कॉमनवेल्थ गेम्स पदक का 20 वर्षों का इंतजार भी समाप्त हो गया। यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है। इसी स्पर्धा में भारत की शिल्पा शायला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। हालांकि उनका पदक काफी नाटकीय घटनाक्रम के बाद तय हुआ। शिल्पा ने 7.26 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, लेकिन शुरुआत में उन्हें चौथा स्थान मिला।

अजय बाबू ने बढ़ाया पिता का मान

भारत के लिए दिन की दूसरी बड़ी सफलता पुरुषों की 79 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में आई, जहां वल्लूरी अजय बाबू ने कुल 330 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया। वह स्वर्ण पदक से महज एक किलोग्राम पीछे रह गए। मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने 331 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण जीता।अजय बाबू की उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि उन्होंने अपने पिता श्रीनिवास राव की विरासत को आगे बढ़ाया। उनके पिता ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था, जबकि बेटे ने अब रजत जीतकर परिवार की उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ दिया। शर्मिला के ऐतिहासिक स्वर्ण, शिल्पा के कांस्य और अजय बाबू के रजत के साथ भारत की कुल पदक संख्या अब 10 पहुंच गई है, जिनमें 2 स्वर्ण पदक शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के अभियान को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान की है।

15 साल के वैभव का विश्व क्रिकेट पर कब्जा

सचिन का रिकॉर्ड टूटा जिम्बाब्वे दौरे पर युवा ने बल्ले से लिखा इतिहास

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। महज 15 साल की उम्र में बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसी धमाकेदार शुरुआत की है, जिसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी प्रतिभा का परिचय देने के बाद अब वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की और वैभव को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

वैभव सूर्यवंशी ने पूरी श्रृंखला में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने तीन मैचों में 196.10 की स्ट्राइक रेट से 151 रन बनाए और सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इंग्लैंड दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद उनकी बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन जिम्बाब्वे में उन्होंने अपने बल्ले से सभी आलोचनाओं का करारा जवाब दिया।

श्रृंखला के पहले मुकाबले में वैभव ने शानदार अर्धशतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने 15 वर्ष 118 दिन की उम्र में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाया और नेपाल के कुशल मल्ला (15 वर्ष 340 दिन) का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ वह सबसे कम उम्र में टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

तीसरे मैच में फिर रचा इतिहास

श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मुकाबले में वैभव ने 49 गेंदों पर 81 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस पारी के साथ वह पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में 16 वर्ष की उम्र पूरी होने से पहले दो बार 50 या उससे अधिक रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। यह उपलब्धि अब तक कोई भी खिलाड़ी हासिल नहीं कर पाया था।

सचिन ने 16 वर्ष में हासिल की थी उपलब्धि

वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। सचिन ने 16 वर्ष की उम्र में भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया था, जबकि वैभव ने यह कारनामा सिर्फ 15 वर्ष की उम्र में कर दिखाया। इस तरह उन्होंने भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाने का नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

52 साल के राम कपूर ने उम्र में छोटी हसीनाओं को किया किस

अनकंफर्टेबल हुई एक्ट्रेस यूजर्स बोले- कब सुधरोगे?

नेटफ्लिक्स के शो लॉकअप में एंटरटेनमेंट पीक पर है। शो खत्म होने में 1 हफ्ता बचा है। फिनाले से पहले कंटेस्टेंट्स ने अपना गेम अप कर दिया है। शो में टीवी के फेमस एक्टर राम कपूर चर्चा में रहे। उनकी जर्नी से कंट्रोवर्सी भी जुड़ी। राम पर फीमेल कंटेस्टेंट्स को किस करने की आदत भारी पड़ी है। उन्हें इसके लिए ट्रोल किया जा रहा है। बीते एपिसोड में राम कपूर के किस एंगल पर वरुण यादव से टास्क के दौरान सवाल हुआ। दरअसल, एक टास्क के लिए वरुण और राम को बुलाया गया था। लॉकअप में खर्चा पानी कमाने के लिए उन्हें पॉइंट्स जोड़ने थे। उनका लाई डिटेक्टर टेस्ट हुआ। जहां वरुण-राम को जेलर रितेश देशमुख के सवालों के जवाब देने थे। रितेश ने वरुण से पूछा- जब राम गालों पर किस करते हैं तो क्या श्रेया कालरा असहज हो जाती हैं?

जवाब में वरुण ने कहा- हां। श्रेया ने लॉकअप में अपूर्वा मखीजा से बात करते हुए कहा कि ये बात एकदम सच है। टास्क जीतने के बाद वो बार-बार किस करते हैं, फिर बाद में पलट जाते हैं। उनकी इन हरकतों से मुझे अब इरिटेशन होती है। कल मुझे हाथ लगा रहे थे, मैंने कहा- डोन्ट टच मी। इंटरनेट पर एक क्लिप और वायरल हो रही है जिसमें राम ने आकांक्षा चमोला से बात करते हुए उनके हाथ पर किस किया। ये वीडियो देखकर यूजर्स ने मजे लिए। एक ने लिखा- लगता है अपनी किस करने की आदत से राम कपूर बाज नहीं आएंगे। दूसरे शख्स ने लिखा- राम क्यों हर किसी लड़की को किस करने लगते हैं।

श्रेया ने बार-बार किस करने पर निकाली भड़ास

पुराने एपिसोड में श्रेया ने राम के बार-बार उन्हें किस करने पर भड़ास निकाली थी। शिल्पा शिंदे संग बातचीत में श्रेया ने कहा था- वो आदमी मुंह पर आकर थूक देता है। थोड़ी तो बाउंड्री मैंटेन करो, आप हर जगह बस थूकते रहते हो। अगर इस बार उन्होंने मुझे किस करने की कोशिश की, तो मैं उसका मुंह पकड़कर बोलने वाली हूं- भाई, इतना तो मेरा बाप चुम्मी नहीं करता मुझे, तो इसलिए अब मत करियो। राम को किस करने पर इंटरनेट पर जमकर हेट मिली। तब एक्टर के सपोर्ट में उनकी पत्नी गौतमी आई थीं। गौतमी ने पति को सपोर्ट करते हुए कहा कि उन्हें जज ना किया जाए।

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से महारानी तक हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर तक ले आया और फिर महारानी से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया।

हुमा कुरैशी का जन्म 28 जुलाई 1986 को दिल्ली में हुआ था। उनके पिता, सलीम कुरैशी, दिल्ली में रेस्टोरेंट चलाते हैं, जबकि उनकी मां, अमीना कुरैशी, गृहिणी हैं। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप एक्ट 1 के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ।

साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेंट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी। अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया।

मेट्रो बाजार

ड्रीमफ्लाई इनोवेशंस देश में स्थापित करेगी 100 मेगावाट का एविएशन बैटरी प्लांट

नई दिल्ली । एडवांस एविएशन बैटरी टेक्नोलॉजी पर केंद्रित भारत की डीप-टेक कंपनी ड्रीमफ्लाई इनोवेशंस ने सोमवार को उत्तर बेंगलुरु में 40,000 स्क्वायर फीट में एविएशन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का ऐलान किया है। इसके जरिए कंपनी की कोशिश %मेक-इन-इंडिया% और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है। कंपनी ने बताया कि आगामी विनिर्माण सुविधा की शुरुआती वार्षिक उत्पादन क्षमता 100 मेगावाट-घंटा होगी, जिसे बढ़ाकर 200 मेगावाट-घंटा तक किया जा सकेगा। इससे यह ड्रोन क्षेत्र के लिए समर्पित भारत की सबसे बड़ी एविएशन बैटरी निर्माण इकाइयों में से एक बन जाएगी।

यह प्लांट रक्षा, निगरानी, बुनियादी ढांचे के निरीक्षण, कृषि छिड़काव, लॉजिस्टिक्स और एयर टैक्सी जैसे उभरते एयर मोबिलिटी प्लेटफॉर्म सहित ड्रोन के विभिन्न उपयोगों के लिए एडवांस बैटरियों का निर्माण करेगा। कंपनी के अनुसार, यह निवेश मानव रहित हवाई प्रणालियों के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक एविएशन बैटरियों के घरेलू विनिर्माण को मजबूत करेगा और भारत की आयातित एविएशन बैटरियों पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। ड्रीमफ्लाई ने बताया कि उसके उत्पादों में वर्तमान में 77 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग होता है, जो किसान ड्रोन नीति के उद्देश्यों के अनुरूप है और घरेलू ड्रोन निर्माताओं को स्थानीय स्तर पर विकसित पावर सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने में सहयोग करता है।

रियलमी की पी सीरीज का दमदार धमाका

फ्लिपकार्ट पर बनी नंबर-वन पसंद

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता रियलमी ने अपनी पी सीरीज की शानदार सफलता का दावा करते हुए भारतीय बाजार में मजबूत वापसी का संकेत दिया है। कंपनी के मुताबिक, युवाओं को ध्यान में रखकर पेश की गई पी सीरीज ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर शानदार प्रदर्शन किया है और देश की सबसे तेजी से बढ़ती स्मार्टफोन श्रृंखलाओं में अपनी जगह बना ली है। बिक्री और बाजार हिस्सेदारी दोनों के लिहाज से इस सीरीज ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। फ्लिपकार्ट के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 की पहली छमाही में रियलमी की पी सीरीज प्लेटफॉर्म पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली स्मार्टफोन श्रृंखला रही। बाजार हिस्सेदारी के आधार पर यह दूसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, 1 जुलाई 2026 से अब तक बिक्री की मात्रा के आधार पर पी सीरीज फ्लिपकार्ट की सबसे अधिक बिकने वाली स्मार्टफोन श्रृंखला बन गई है। कंपनी का कहना है कि यह उपलब्धि ग्राहकों के बढ़ते भरोसे और उत्पादों की लोकप्रियता का प्रमाण है। रियलमी ने अलग-अलग कीमत वाले स्मार्टफोन वर्गों में भी अपनी स्थिति मजबूत की है। 10,000 से 15,000 रुपये की श्रेणी में कंपनी पहले स्थान पर रही। वहीं 15,000 से 20,000 रुपये और 20,000 से 25,000 रुपये की श्रेणियों में भी वह बाजार हिस्सेदारी के आधार पर शीर्ष तीन ब्रांडों में शामिल रही। कंपनी का मानना है कि बेहतर फीचर्स और प्रतिस्पर्धी कीमतों ने ग्राहकों को आकर्षित किया है। बाजार अनुसंधान संस्था काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में भारत का कुल स्मार्टफोन बाजार लगभग 10 प्रतिशत घटा, लेकिन इस दौरान रियलमी ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक पहुंचा दी। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी की हिस्सेदारी 9.6 प्रतिशत थी।

बाढ़ की तबाही के बीच जिंदगी बचाने में जुटे राहतकर्मी

पाकिस्तान के लाहौर के पास बाढ़ प्रभावित इलाके में राहत और बचावकर्मी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं। भारी बारिश और जलभराव के कारण कई इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चारों ओर पानी भरने से लोगों को घरों से बाहर निकलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में बचाव दल नावों और अन्य साधनों की मदद से फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल रहे हैं। राहतकर्मियों की तत्परता ने बाढ़ में फंसे कई परिवारों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया है। तस्वीर प्राकृतिक आपदा के बीच मानवीय साहस और सेवा की मिसाल पेश करती है।

रुद्रप्रयाग में थमी बारिश, केदारनाथ धाम में श्रद्धालु कर रहे दर्शन

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बीच रातभर बारिश होती रही। फिलहाल सुबह के समय बारिश थम गई है। केदारनाथ धाम में भी मौसम सामान्य बना हुआ है और श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर रहे हैं।

केदारनाथ धाम में मौजूद श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने दिन के दौरान भारी बारिश की आशंका जताई है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रशासन की ओर से स्थानीय लोगों और यात्रियों से मौसम को देखते हुए पूरी सतर्कता बरतने और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की अपील की गई है। वहीं, एहतियात के तौर पर देहरादून में कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में मंगलवार को अवकाश घोषित कर दिया गया है। देहरादून के जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की ओर से आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में जिला में हो रही बारिश एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग देहरादून के निदेशक ने नेशनल डिजास्टर अलर्ट पोर्टल की ओर से जारी की गई अपडेट के अनुसार बताया कि अगले 24 घंटों में देहरादून में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली चमकने, भारी बारिश की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, भारी बारिश की वजह से किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

ट्रम्प की चेतावनी... बातचीत सफल नहीं हुई तो फिर करेंगे हवाई हमले

तीन दिन से थमे हमले, अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत को मिला एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत के बीच ऐसा बयान दिया है, जिसने पश्चिम एशिया में तनाव को एक बार फिर बढ़ा दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल बेहद दोस्ताना बातचीतचल रही है, लेकिन यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने से पीछे नहीं हटेगा। उनके इस बयान को ईरान के लिए सीधी चेतावनी माना जा रहा है।

पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, हमारी बातचीत अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि समझौते की अच्छी संभावना है, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम वही करेंगे जो दो दिन पहले कर रहे थे। उनके इस बयान ने यह संकेत दिया कि बातचीत के समानांतर सैन्य विकल्प भी पूरी तरह खुला रखा गया है।

कुछ घंटे बाद मिशिगन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने और आक्रामक तेवर अपनाए। उन्होंने कहा कि ईरान जैसे देशों को ÷रिश्वत देकर नहीं, बल्कि हराकर ही काबू में रखा जा सकता है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान को सैन्य और रणनीतिक स्तर पर गंभीर नुकसान पहुंचाया है और अब तेहरान बातचीत की मेज पर आने को मजबूर हुआ है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में कई लोगों ने सैन्य कार्रवाई का विरोध किया था, लेकिन बाद में उन्हें भी महसूस हुआ कि यही सही फैसला था। ट्रंप ने अपनी रणनीति को सफल बताते हुए कहा कि ताकत दिखाने के बाद ही कूटनीति प्रभावी होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि हालिया सैन्य अभियान में अमेरिका ने ईरान की नौसेना, वायुसेना, नेतृत्व तंत्र और एंटी-एयरक्राफ्ट रक्षा प्रणाली को भारी नुकसान पहुंचाया है। उनके मुताबिक, ईरान की ड्रोन और मिसाइल निर्माण क्षमता भी बुरी तरह प्रभावित हुई है।

मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान जारी

दूसरी ओर ईरान ने ट्रंप के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान ने कूटनीति का रास्ता नहीं छोड़ा है और विभिन्न मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान जारी है, लेकिन ईरान ने कभी भी अमेरिका से बातचीत की मांग नहीं की। उन्होंने उन खबरों को मनगढ़ंत बताया, जिनमें कहा गया था कि ईरान स्वयं बातचीत के लिए आगे आया है। हालांकि ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह संकेत जरूर दिया कि यदि घोषित युद्धविराम प्रभावी रहता है तो ईरान भी अपने हमले रोक सकता है।

सऊदी अरब, हूती और इराक में बढ़ी हलचल

इस बीच क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। सोमवार को सऊदी अरब, जॉर्डन और इराक ने ड्रोन हमलों की जानकारी दी। सऊदी अरब ने दावा किया कि उसने राजधानी रियाद समेत कई तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने वाले ड्रोन मार गिराए। रियाद ने इन हमलों के लिए इराक में सक्रिय ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को जिम्मेदार ठहराया और जवाबी कार्रवाई का अधिकार सुरक्षित रखने की बात कही। उधर, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह कार्रवाई सऊदी ड्रोन गतिविधियों के जवाब में की गई है। तनाव का सबसे बड़ा केंद्र अब होर्मुज जलडमरूमध्य बनता जा रहा है। ईरान ने अमेरिका पर अपने क्षेत्रीय जल में जहाजों और तेल टैंकरों को धमकाने तथा अवैध समुद्री नाकेबंदी लागू करने की कोशिश का आरोप लगाया है। तेहरान का कहना है कि इससे पूरे क्षेत्र में संघर्ष और गहरा सकता है।

मंदिर के गर्भगृह में लगेगा एसी

रामलला को भीषण गर्मी से मिलेगी राहत

लखनऊ, एजेंसी

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में विराजमान रामलला को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए एयर कंडीशनर (एसी) लगाने की तैयारी शुरू हो गई है. मंदिर का निर्माण कर रही एलएंडटी के इंजीनियरों ने गर्भगृह का तकनीकी सर्वे कर एसी स्थापना की संभावनाओं का आकलन किया है. वर्तमान में गर्भगृह पूरी तरह पत्थरों से निर्मित है और यहां एसी की व्यवस्था नहीं है, जबकि गर्मी के मौसम में तापमान का असर रामलला के विग्रह और पूजा करने वाले पुजारियों पर भी पड़ता है. फिलहाल गर्मी से राहत के लिए गर्भगृह में कूलर लगाया गया है, लेकिन स्थायी समाधान के रूप में एसी लगाने की योजना पर गंभीरता से काम किया जा रहा है.

इंजीनियर ऐसी तकनीक विकसित करने पर विचार कर रहे हैं, जिससे एसी की स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं के दर्शन और नियमित पूजा-पद्धति प्रभावित न हो. पूरी व्यवस्था इस प्रकार तैयार की जाएगी कि एसी के उपकरण कम दिखाई दें और उनकी कार्यक्षमता भी बेहतर बनी रहे. गर्भगृह की पत्थर से बनी संरचना एसी लगाने की सबसे बड़ी तकनीकी चुनौती है, क्योंकि मंदिर की मूल वास्तुकला, शिल्पकला और सौंदर्य को बिना नुकसान पहुंचाए शीतलन व्यवस्था विकसित करनी होगी. एसी की पाइपलाइन, डक्टिंग और विद्युत व्यवस्था भी इस तरह बनाई जाएगी कि मंदिर की संरचना सुरक्षित रहे. इंजीनियर तापमान नियंत्रण के साथ नमी (ह्यूमिडिटी) का संतुलन बनाए रखने पर भी काम कर रहे हैं, ताकि पत्थरों, धातु के अलंकरणों और रामलला के विग्रह पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े.

ब्रह्मपुत्र पर चीन के महाबांध को लेकर बड़ा खुलासा

परियोजना के नीचे सक्रिय भ्रंश रेखा का किया गया दावा, भारत की चिंता बढ़ी

बीजिंग, एजेंसी

चीन की ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाई जा रही मेदोग जलविद्युत परियोजना को लेकर सामने आई एक नई रिपोर्ट ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में शामिल इस परियोजना के ठीक नीचे एक सक्रिय भूगर्भीय भ्रंश रेखा मौजूद है। इस खुलासे के बाद परियोजना की सुरक्षा, पर्यावरणीय प्रभाव और भविष्य में संभावित भूकंपीय खतरे को लेकर बहस तेज हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब सवाल केवल यह नहीं है कि चीन इतनी विशाल परियोजना का निर्माण करने में सक्षम है या नहीं, बल्कि यह भी है कि इसके निर्माण से जुड़े भूगर्भीय और प्राकृतिक जोखिमों का पर्याप्त आकलन किया गया है या नहीं।

वैज्ञानिकों के अध्ययन से सामने आया दावा

रिपोर्ट में चेंगदू यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और चाइना जियोलॉजिकल सर्वे के शोध का हवाला दिया गया है। अध्ययन के अनुसार, 'पाइझेन फॉल्ट' नामक सक्रिय भ्रंश रेखा मेदोग जलविद्युत परियोजना के नीचे से गुजरती है। वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र की चट्टानों को लेकर भी चिंता जताई है। बताया गया है कि यहां चट्टानों का जुड़ाव कमजोर है और लंबे समय तक पानी के दबाव तथा लगातार भूगर्भीय गतिविधियों के कारण पहाड़ी ढलानों के खिसकने का खतरा बना रह सकता है।

137 अरब डॉलर की परियोजना पर उठे सवाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। ऐसे में यदि बांध के नीचे सक्रिय भ्रंश की मौजूदगी की पुष्टि होती है, तो इसकी संरचनात्मक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह परियोजना भारत की सीमा से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर बताई जा रही है। इसलिए किसी बड़े भूकंप या भूगर्भीय घटना की स्थिति में इसका प्रभाव केवल चीन तक सीमित नहीं रहने की आशंका जताई जा रही है। चीन इस परियोजना को अपनी सबसे महत्वाकांक्षी आधारभूत संरचना योजनाओं में शामिल करता है। इसका उद्देश्य थ्री गॉर्जेस बांध से तीन गुना से अधिक बिजली पैदा करना बताया गया है। चीन इसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और कार्बन उत्सर्जन कम करने की रणनीति का अहम हिस्सा मानता है।

मायावती ने जौहर यूनिवर्सिटी को ढहाने पर रोक का किया स्वागत

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 38 शिक्षण भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर लगी रोक का स्वागत करते हुए इसे उचित फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिन अन्य शिक्षण संस्थानों में निर्माण संबंधी नियमों के अनुपालन में कमियां हैं, वहां भी बुलडोजर कार्रवाई के बजाय उन्हें नियमित करने की नीति अपनाई जानी चाहिए, ताकि वहां शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित न हो। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यूपी के जिला रामपुर में समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद आजम खान के पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित यूनिवर्सिटी के 38 शिक्षण भवनों को, उसके स्वीकृत नक्शे आदि के अभाव में, ध्वस्त करने की रामपुर विकास प्राधिकरण की कार्रवाई पर अब रोक लगाने का फैसला उचित है।

झारखंडः धनबाद में ईडी की बड़ी कार्रवाई, कोयला कारोबारियों से जुड़े 25 ठिकानों पर की छापेमारी

रांची/धनबाद। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने झारखंड के धनबाद जिले में मंगलवार सुबह कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में करीब 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है। यह कार्रवाई कोयला कारोबारी अनिल गोयल, एलबी सिंह और हरेंद्र चौहान से जुड़े ईसीआईआर एन्फोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट के सिलसिले में की जा रही है। ईडी की टीम केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ सुबह करीब सात बजे विभिन्न स्थानों पर पहुंची। इसके बाद संबंधित परिसरों को सुरक्षा घेरे में लेकर तलाशी शुरू की गई। जिन लोगों के ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है, उनमें गणेश यादव, पप्पू मंडल, रोहित यादव, हरेंद्र चौहान, माधो सिंह, महेंद्र प्रताप, इम्तियाज अली, रजनीकांत शर्मा, शेखर यादव और आलोक सहित अन्य लोग शामिल हैं। तलाशी के दौरान ईडी की टीम वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड, संपत्ति संबंधी कागजात, मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क और अन्य डिजिटल उपकरणों की जांच कर रही है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी या जब्ती की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई थी।

दोपहर मेट्रो

ड्रीम गर्ल और भाजपा सांसद ने खुद किया बड़ा खुलासा

हेमा मालिनी के राजनीति में कदम से घबरा गए थे धर्मेंद्र!

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और मथुरा से भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी ने अपने राजनीतिक सफर को लेकर एक दिलचस्प और भावुक खुलासा किया है। एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि जब उन्होंने राजनीति में आने का फैसला किया था, तब उनके पति और अभिनेता धर्मेंद्र इस फैसले को लेकर काफी चिंतित रहते थे। खासतौर पर चुनाव प्रचार के दौरान भारी भीड़ और हेलिकॉप्टर से लगातार यात्रा को लेकर धर्मेंद्र को उनकी सुरक्षा की चिंता सताती थी।

भीड़ देखकर परेशान हो जाते थे धर्मेंद्र- हेमा मालिनी ने बताया कि राजनीति में सक्रिय होने के शुरुआती दौर में उन्हें भारतीय जनता पार्टी की ओर से अलग-अलग राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए भेजा जाता था। उनके कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग जुटते थे। इतनी भीड़ देखकर धर्मेंद्र अक्सर परेशान हो जाते थे और उन्हें उनकी सुरक्षा की चिंता रहती थी।

हेमा के मुताबिक, धर्मेंद्र उनसे कहते थे कि वह इतनी भीड़ के बीच जाती हैं, इसलिए उन्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। उनके लिए हेमा का राजनीति में सक्रिय होना आसान नहीं था, क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें कई बार भारी भीड़ का सामना करना पड़ता था।

अभिनेत्री ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें कम समय में कई जगहों पर पहुंचना होता था। इसके लिए उन्हें अक्सर हेलिकॉप्टर से यात्रा करनी पड़ती थी। हेमा की इस यात्रा को लेकर भी धर्मेंद्र काफी चिंतित रहते थे। वह उनसे बार-बार सवाल करते थे कि आखिर यह सब करना इतना जरूरी क्यों है। इस पर हेमा उन्हें समझाती थीं कि पार्टी की ओर से उन्हें प्रचार के लिए बुलाया जाता है, इसलिए उन्हें जाना ही पड़ता है। धर्मेंद्र की चिंता के पीछे उनकी पत्नी की सुरक्षा को लेकर उनकी फिक्र साफ नजर आती थी। हेमा के मुताबिक, उनकी मां ने उनसे कहा कि उन्होंने फिल्मों के जरिए लोगों का खूब मनोरंजन किया है, अब देश के लिए भी कुछ करने का समय है। मां की यह बात उनके दिल को छू गई और उन्होंने राजनीति में कदम रखने का फैसला कर लिया।

विनोद खन्ना के प्रचार से राजनीति की ओर बढ़ा कदम

हेमा मालिनी ने बताया कि उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत का विचार वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव के दौरान आया। उस समय उन्होंने अभिनेता और भाजपा नेता विनोद खन्ना के लिए चुनाव प्रचार किया था। चुनाव प्रचार के दौरान जब उन्होंने अपने लिए उमड़ती भीड़ देखी, तो उन्हें पहली बार अपनी लोकप्रियता का अलग अंदाज में एहसास हुआ। वह हैरान होकर लोगों से पूछती थीं कि क्या इतनी बड़ी संख्या में लोग उन्हें देखने आए हैं। जब उन्हें जवाब मिलता था कि भीड़ उन्हें ही देखने आई है, तो उन्हें बेहद खुशी होती थी। हेमा मालिनी ने बताया कि शुरुआत में वह राजनीति में आने के लिए तैयार नहीं थीं। हालांकि, उनकी मां ने उन्हें राजनीति में सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564